रविवार, 15 मार्च, 2026

www.tvbharatvarsh.in

E-PAPER

कुल पृष्ठ–08

हर्षित राणा फिट नहीं हुए तो किसे मिलेगा मौका?

Page-04

भारतवर्ष

सच्ची खबर, सीधे आपके लिए

'मन पिशाच' का ट्रेलर देख खड़े हो जाएंगे रोंगटे

Page-05

कोलकाता की ब्रिगेड रैली में प्रधानमंत्री मोदी का शक्ति प्रदर्शन

18,680 करोड़ की परियोजनाओं की सौगात

राष्ट्रीय, टीवी भारतवर्ष

पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता के ब्रिगेड परेड मैदान में आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विशाल रैली ने राज्य की राजनीति में नई हलचल पैदा कर दी। रैली से पहले और उसके दौरान पूरा इलाका भाजपा के झंडों और नारों से गूंजता नजर आया। दूर-दूर से आए हजारों समर्थकों की भारी भीड़ ने मैदान और आसपास के क्षेत्रों को पूरी तरह भगवामय बना दिया, जिससे यह साफ संकेत मिला कि बंगाल की राजनीति में बड़ा बदलाव देखने को मिल सकता है।रैली को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पश्चिम बंगाल के लिए 18,680 करोड़ रुपये की कई बड़ी संपर्क और आधारभूत संरचना परियोजनाओं की शुरुआत की। उन्होंने कहा कि इन परियोजनाओं से राज्य में व्यापार, उद्योग और रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे और विकास को नई गति मिलेगी। प्रधानमंत्री ने 231 किलोमीटर लंबे खड़गपुर–मोरेग्राम आर्थिक गलियारे के पांच हिस्सों के निर्माण का शिलान्यास किया। इसके साथ ही दुबराजपुर बाइपास और राष्ट्रीय राजमार्ग-14 पर कंगसबती तथा शिलाबती नदियों पर अतिरिक्त चार लेन पुलों के निर्माण कार्य की भी शुरुआत की गई। रेल क्षेत्र में भी कई अहम परियोजनाएं शुरू की गईं। प्रधानमंत्री ने पुरुलिया–आनंद विहार टर्मिनल एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाई और छह नए रेलवे स्टेशनों का उद्घाटन किया।

केजरीवाल का केंद्र पर हमला

राष्ट्रीय, टीवी भारतवर्ष

गआम आदमी पार्टी के अध्यक्ष अरविंद केजरीवाल ने सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक की हिरासत रद्द किए जाने के बाद केंद्र सरकार पर निशाना साधा है। शनिवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर पोस्ट करते हुए केजरीवाल ने कहा कि इस फैसले से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार एक बार फिर बेनकाब हो गई है।केजरीवाल ने कहा कि एक वैज्ञानिक और जलवायु कार्यकर्ता, जिन्होंने अपना जीवन देश के लिए समर्पित किया, उन्हें बिना किसी ठोस सबूत के हिरासत में रखा गया। उन्होंने आरोप लगाया कि वांगचुक के जेल में बिताए गए महीने न केवल उनके लिए व्यक्तिगत नुकसान थे, बल्कि देश के लिए भी नुकसान साबित हुए। केजरीवाल ने इसे लोकतांत्रिक व्यवस्था के खिलाफ बताते हुए कहा कि ऐसी घटनाओं का पर्दाफाश होना चाहिए और इन्हें तुरंत रोका जाना चाहिए।

मुख्यमंत्री कार्यक्रम से पहले हेलीपैड में घुसा बैल

अंतरराष्ट्रीय, टीवी भारतवर्ष

बिहार के बेगूसराय में मुख्यमंत्री के कार्यक्रम से पहले सुरक्षा व्यवस्था के बीच एक अजीब घटना सामने आई। कार्यक्रम स्थल पर बनाए गए हेलीपैड में अचानक एक बैल घुस आया, जिससे वहां मौजूद पुलिसकर्मियों और अधिकारियों के बीच अफरा-तफरी मच गई। बताया जा रहा है कि मुख्यमंत्री के हेलीकॉप्टर के उतरने से पहले सुरक्षा की पूरी तैयारी चल रही थी और पुलिसकर्मी हेलीपैड के आसपास तैनात थे।इसी दौरान अचानक एक बैल हेलीपैड की ओर आ गया और वहां मौजूद पुलिसकर्मियों को दौड़ाने लगा। बैल के अचानक आ जाने से कुछ देर के लिए सुरक्षा व्यवस्था में अव्यवस्था की स्थिति बन गई। बैल से बचने के लिए कुछ पुलिसकर्मी इधर-उधर भागते नजर आए, जबकि कुछ ने खुद को सुरक्षित रखने के लिए पास खड़ी फायर ब्रिगेड की गाड़ी पर चढ़कर जान बचाई।इस घटना के कारण कुछ देर तक कार्यक्रम स्थल पर हलचल का माहौल बना रहा।

मिडिल ईस्ट संकट के बीच इंडिगो की बड़ी राहत

शुरू होंगी उड़ानें

अंतरराष्ट्रीय, टीवी भारतवर्ष

मिडिल ईस्ट में जारी तनाव और युद्ध जैसे हालात के बीच यात्रियों के लिए राहत भरी खबर सामने आई है। इंडिगो एयरलाइंस ने घोषणा की है कि मध्यपूर्व के कई शहरों से भारत के प्रमुख शहरों के लिए उड़ानें संचालित की जाएंगी। इस फैसले से उन हजारों भारतीय यात्रियों को राहत मिलेगी जो हाल के दिनों में क्षेत्र में बढ़ते तनाव और उड़ानों के प्रभावित होने के कारण यात्रा को लेकर परेशान थे।एयरलाइन के अनुसार भारत में मुंबई, दिल्ली, बेंगलुरु, हैदराबाद और कोझिकोड (कालीकट) जैसे प्रमुख शहरों के लिए उड़ानें उपलब्ध कराई जाएंगी। वहीं मध्यपूर्व से दुबई और अबूधाबी (यूएई), जेद्दा, रियाद और मदीना (सऊदी अरब) तथा मस्कट (ओमान) से भारत के लिए फ्लाइट्स संचालित की जाएंगी। इन रूट्स पर उड़ानों के शुरू होने से खाड़ी देशों में काम करने वाले भारतीयों और अन्य यात्रियों को अपने गंतव्य तक पहुंचने में काफी सुविधा मिलेगी।इंडिगो एयरलाइंस ने इन उड़ानों की विस्तृत सूची भी जारी की है और यात्रियों से अपील की है कि वे यात्रा से पहले अपनी फ्लाइट की स्थिति की जांच जरूर कर लें। एयरलाइन ने यह भी कहा कि मौजूदा परिस्थितियों को देखते हुए वह संबंधित सरकारी एजेंसियों और विमानन अधिकारियों के साथ लगातार संपर्क में है, ताकि यात्रियों की सुरक्षा और सुविधा सुनिश्चित की जा सके।इंडिगो ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट साझा करते हुए बताया कि मध्यपूर्व और यूरोप के कुछ चुनिंदा रूट्स पर धीरे-धीरे उड़ान सेवाएं फिर से शुरू की जा रही हैं। एयरलाइन का कहना है कि इस क्षेत्र में हालात लगातार बदल रहे हैं, इसलिए उड़ानों का संचालन स्थिति के अनुसार तय किया जाएगा।एयरलाइन ने यात्रियों से अनुरोध किया है कि वे एयरपोर्ट के लिए निकलने से पहले अपनी फ्लाइट से जुड़ी सभी जानकारी आधिकारिक वेबसाइट या मोबाइल ऐप पर जरूर जांच लें। साथ ही एयरलाइन ने यह भी भरोसा दिलाया है कि जैसे-जैसे हालात सामान्य होंगे, उड़ानों की संख्या और रूट्स में और बढ़ोतरी की जाएगी ताकि यात्रियों को बेहतर कनेक्टिविटी मिल सके।

भारत की ओर बढ़े दो एलपीजी जहाज, 16–17 मार्च तक पहुंचने की उम्मीद

राष्ट्रीय, टीवी भारतवर्ष

पश्चिम बंगाल में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के कार्यक्रम को लेकर बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। राष्ट्रपति ने राज्य की ममता बनर्जी सरकार के रवैये पर नाराजगी जताते हुए आरोप लगाया कि जनजातीय समुदाय से जुड़े 'इंटरनेशनल संथाल कॉन्क्लेव' को अनुमति नहीं दी गई और निर्धारित प्रोटोकॉल का भी पालन नहीं किया गया।बताया जा रहा है कि राष्ट्रपति के दौरे के दौरान उनकी अगवानी के लिए राज्य सरकार की ओर से कोई भी प्रतिनिधि मौजूद नहीं था। इस पर राष्ट्रपति ने असंतोष जाहिर किया और कहा कि इस तरह की व्यवस्था प्रोटोकॉल के अनुरूप नहीं थी। इस पूरे घटनाक्रम के बाद राजनीतिक हलकों में भी चर्चा तेज हो गई है।कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रपति ने प्रशासन की मंशा पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा, "पता नहीं प्रशासन के मन में क्या था, हम तो आसानी से यहाँ आ गए। उन्होंने कहा था कि वहाँ हालात बहुत ज्यादा कंजस्टेड हैं, लेकिन यहाँ तो मुझे लगता है कि पाँच लाख लोग आसानी से इकट्ठा हो सकते हैं। पता नहीं हमें वहाँ किसलिए ले गए।" राष्ट्रपति ने आगे भावुक होते हुए कहा कि वह अपने जनजातीय भाई-बहनों के बीच जाकर उनके हालात करीब से देखना चाहती थीं, लेकिन प्रशासन की ओर से इसमें बाधा डाली गई।

लद्दाख हिंसा मामले में सोनम वांगचुक को राहत

मोदी सरकार ने NSA के तहत हिरासत रद्द की

अंतरराष्ट्रीय, टीवी भारतवर्ष

अलद्दाख में हुई हिंसा के बाद गिरफ्तार किए गए सामाजिक कार्यकर्ता और इंजीनियर सोनम वांगचुक को केंद्र की भारत सरकार ने बड़ी राहत देते हुए रिहा करने का फैसला किया है। सरकार ने राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम के तहत उनकी हिरासत को तत्काल प्रभाव से समाप्त कर दिया है।सरकार की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि यह फैसला लद्दाख में शांति और स्थिरता को मजबूत करने तथा सभी पक्षों के साथ सकारात्मक और रचनात्मक संवाद को आगे बढ़ाने के उद्देश्य से लिया गया है। विस्तृत विचार-विमर्श के बाद यह तय किया गया कि सोनम वांगचुक की हिरासत को अब जारी रखना उचित नहीं है, इसलिए इसे तुरंत प्रभाव से रद्द कर दिया गया।दरअसल, 24 सितंबर 2025 को लेह में हुई हिंसा के बाद क्षेत्र में कानून-व्यवस्था की स्थिति गंभीर हो गई थी। इसके बाद लेह के जिला मजिस्ट्रेट के आदेश पर 26 सितंबर 2025 को सोनम वांगचुक को राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम (NSA) के तहत हिरासत में लिया गया था। इस दौरान उन्होंने हिरासत की निर्धारित अवधि का लगभग आधा समय जेल में बिताया।केंद्र सरकार का कहना है कि लद्दाख के विभिन्न सामाजिक संगठनों, हितधारकों और स्थानीय नेताओं के साथ लगातार बातचीत की जा रही है ताकि क्षेत्र के लोगों की चिंताओं का समाधान किया जा सके। हालांकि लंबे समय से जारी बंद और विरोध प्रदर्शनों के कारण छात्रों, नौकरी की तलाश कर रहे युवाओं, व्यापारियों, पर्यटन उद्योग और पर्यटकों को काफी परेशानी उठानी पड़ी है, जिससे लद्दाख की अर्थव्यवस्था पर भी असर पड़ा है।

वेस्ट एशिया संकट के बीच भारत को राहत

भारत के जहाजों के लिए ईरान ने खोला सुरक्षित रास्ता

ईरान ने एलपीजी ले जा रहे भारतीय ध्वज वाले दो जहाजों को होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने की अनुमति दी है। भारत के 24 जहाज और 668 नाविक फारस की खाड़ी में हैं। सरकार उनकी सुरक्षा पर नजर रख रही है और कई नाविकों की सुरक्षित वापसी कराई है।

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

ईरानी अधिकारियों ने द्रवीकृत पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) ले जा रहे भारतीय ध्वज वाले दो जहाजों को होर्मुज जलडमरूमध्य से पारगमन की अनुमति दे दी है। इनमें से एक जहाज 'शिवालिक' है, जो वेसल ट्रैफिक मॉनिटरिंग वेबसाइट मरीनट्रैफिक के अनुसार आखिरी बार ओमान की खाड़ी में देखा गया था। अनुमान है कि यह जहाज 21 मार्च तक अपने निर्धारित गंतव्य तक पहुंच जाएगा। बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्रालय ने फारस की खाड़ी क्षेत्र में समुद्री स्थिति और भारतीय नाविकों व जहाजों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए उठाए जा रहे कदमों की जानकारी साझा की। मंत्रालय के अनुसार, फारस की खाड़ी में वर्तमान समय में 24 भारतीय ध्वज वाले जहाज संचालित हो रहे हैं, जिनमें कुल 668 भारतीय नाविक कार्यरत हैं। इसके अलावा 76 भारतीय नाविक होर्मुज जलडमरूमध्य के पूर्व में स्थित तीन जहाजों पर तैनात हैं। मंत्रालय ने बताया कि महानिदेशक जहाजरानी (डीजी शिपिंग) जहाज मालिकों, आरपीएसएल एजेंसियों और विभिन्न देशों में स्थित भारतीय मिशनों के साथ लगातार समन्वय बनाए हुए हैं। सभी भारतीय जहाजों और उनके चालक दल की स्थिति पर सक्रिय रूप से निगरानी रखी जा रही है। मंत्रालय के अनुसार, 24 घंटे संचालित होने वाले नियंत्रण कक्ष के सक्रिय होने के बाद से डीजी शिपिंग ने 2,425 से अधिक कॉल और 4,441 ईमेल का जवाब दिया है। साथ ही अब तक फंसे हुए 223 से अधिक भारतीय नाविकों की सुरक्षित वापसी भी सुनिश्चित की गई है।इससे पहले भारत में ईरान के राजदूत मोहम्मद फथली ने भी पुष्टि की थी कि पश्चिम एशिया में जारी तनावपूर्ण स्थिति के बावजूद ईरान भारत जाने वाले जहाजों को होर्मुज जलडमरूमध्य से सुरक्षित मार्ग प्रदान करेगा। उन्होंने दोनों देशों के बीच लंबे समय से चली आ रही मित्रता और साझा हितों का उल्लेख करते हुए कहा कि ईरान और भारत के संबंध मजबूत हैं और दोनों देशों के हित एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं।फथली ने कहा कि भारत और ईरान के बीच मित्रता के आधार पर दोनों देशों को एक-दूसरे की मदद करनी चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि भारत के लोगों की परेशानी ईरान की भी परेशानी है और दोनों देशों का भविष्य और हित समान हैं। वहीं भारत में ईरान के सर्वोच्च नेता के प्रतिनिधि अब्दुल मजीद हकीम इलाही ने कहा कि ईरान कभी नहीं चाहता था कि रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण होर्मुज जलडमरूमध्य को बंद किया जाए। हालांकि पश्चिम एशिया में मौजूदा स्थिति के कारण कुछ जहाजों की आवाजाही प्रभावित हुई है। उन्होंने कहा कि विश्व नेताओं को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प पर दबाव बनाना चाहिए ताकि उनके देश के खिलाफ युद्ध जैसी स्थिति को रोका जा सके, क्योंकि इससे वैश्विक स्तर पर तेल की कीमतों में बढ़ोतरी हो रही है और दुनिया भर के लोग इससे प्रभावित हो रहे हैं।

गैस की कमी से कई राज्यों में हाहाकार

टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय

पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव का असर अब भारत में रसोई गैस की आपूर्ति पर भी दिखने लगा है। कई राज्यों से एलपीजी सिलेंडरों की कमी, काला बाजार और कीमतों में तेजी की खबरें सामने आ रही हैं। हालांकि इस बीच एक राहत भरी खबर सामने आई है। ईरान ने भारत के दो जहाजों को होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने की अनुमति दे दी है, जिससे आने वाले दिनों में देश में रसोई गैस की आपूर्ति सुधरने की उम्मीद जताई जा रही है।सरकारी जानकारी के अनुसार भारत के झंडे वाले दो जहाज रसोई गैस लेकर आ रहे हैं और उन्हें ईरान के अधिकार क्षेत्र से गुजरने की मंजूरी मिल गई है। इनमें से एक जहाज 'शिवालिक' बताया जा रहा है, जो इस समय ओमान की खाड़ी के आसपास है और इसके 21 मार्च तक अपने गंतव्य तक पहुंचने की संभावना है। यह खबर ऐसे समय आई है जब देश के कई हिस्सों में गैस की कमी को लेकर चिंता बढ़ रही थी।पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय के अनुसार फारस की खाड़ी क्षेत्र में इस समय भारत के झंडे वाले 24 जहाज कार्यरत हैं, जिन पर 668 भारतीय नाविक मौजूद हैं। इसके अलावा होर्मुज जलडमरूमध्य के पूर्व में तीन जहाजों पर 76 भारतीय नाविक तैनात हैं। मंत्रालय ने बताया कि जहाजरानी महानिदेशालय जहाज मालिकों, एजेंसियों और विदेशों में भारतीय मिशनों के साथ समन्वय बनाकर स्थिति पर लगातार नजर रख रहा है। इधर देश के कई हिस्सों में एलपीजी की कमी का असर आम जीवन पर पड़ने लगा है। कुछ स्थानों पर सिलेंडर की कीमतें तेजी से बढ़ गई हैं और काला बाजार की शिकायतें भी सामने आई हैं। कई जगहों पर एक सिलेंडर के लिए 1500 से 2000 रुपये तक मांगे जा रहे हैं।

रुकी नहीं भारत-अमेरिका ट्रेड बातचीत

वाणिज्य मंत्रालय ने अफवाहों का किया खंडन

जम्मू-कश्मीर में भारतीय सेना की इफ्तार दावत,

भाईचारे और एकता का संदेश

टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय

पवित्र रमजान के महीने में भाईचारे और आपसी विश्वास को मजबूत करने की दिशा में एक सराहनीय पहल करते हुए भारतीय सेना ने रामबन, पुंछ और आसपास के कई इलाकों में इफ्तार दावत का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में मुस्लिम समुदाय के लोगों ने बड़ी संख्या में भाग लिया और सेना के इस मानवीय प्रयास की खुलकर सराहना की। स्थानीय लोगों का कहना है कि ऐसे आयोजन समाज में एकता, विश्वास और सद्भाव को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।रामबन क्षेत्र में सेना की राष्ट्रीय राइफल्स की एक इकाई ने इफ्तार दावत का आयोजन किया, जिसमें गांव के बुजुर्ग, युवा, समाज के सम्मानित लोग और बच्चे भी शामिल हुए। इफ्तार के समय सभी लोग एक साथ बैठे और रोजा खोला। इस अवसर पर लोगों ने शांति, भाईचारे और देश की तरक्की के लिए दुआ की। कार्यक्रम के दौरान सेना के अधिकारी और जवान भी स्थानीय लोगों के साथ बैठे और उनसे खुले मन से बातचीत की।स्थानीय नागरिकों ने कहा कि भारतीय सेना केवल देश की सीमाओं की रक्षा ही नहीं करती, बल्कि समाज के हर वर्ग के साथ मानवीय संबंध भी बनाती है। लोगों का कहना था कि सेना का यह प्रयास दिल को छू लेने वाला है। एक स्थानीय बुजुर्ग ने बताया कि सेना के जवान यहां के लोगों को अपने परिवार की तरह मानते हैं और इसी वजह से स्थानीय लोग भी सेना के प्रति गहरा सम्मान रखते हैं।इसी तरह पुंछ जिले के सेकेलु इलाके में डोडा बटालियन की ओर से भी इफ्तार दावत का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में भी बड़ी संख्या में मुस्लिम समुदाय के लोग शामिल हुए। सभी ने मिलकर इफ्तार किया और आपसी मेल-मिलाप और सद्भाव का संदेश दिया। सेना के अधिकारियों ने बताया कि ऐसे कार्यक्रमों का उद्देश्य स्थानीय लोगों के साथ विश्वास का रिश्ता मजबूत करना और समाज में एकता की भावना को बढ़ावा देना है। इफ्तार कार्यक्रम के दौरान स्थानीय लोगों ने सेना के प्रति आभार भी व्यक्त किया। उनका कहना था कि भारतीय सेना हमेशा कठिन समय में लोगों के साथ खड़ी रहती है। चाहे प्राकृतिक आपदा हो, खराब मौसम हो या सुरक्षा से जुड़ी चुनौती, सेना हर परिस्थिति में जनता की मदद के लिए आगे आती है।

सीमा पर टकराव तेज, अफगानिस्तान का पाकिस्तानी सैन्य ठिकानों पर हमला

टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय

अफगानिस्तान के रक्षा मंत्रालय ने दावा किया है कि उसकी सेनाओं ने विवादित डूरंड रेखा के पास पाकिस्तानी सैन्य ठिकानों पर कार्रवाई की है। सीमा पार हवाई हमलों और तोपखाने की गोलीबारी के बाद दोनों पड़ोसी देशों के बीच तनाव लगातार बढ़ता जा रहा है। मंत्रालय के अनुसार यह कार्रवाई पूर्वी क्षेत्र में की गई, जिसमें कुनार और नंगरहार प्रांत शामिल हैं।रक्षा मंत्रालय के बयान में कहा गया कि यह अभियान पाकिस्तान की ओर से की गई सैन्य कार्रवाई के जवाब में चलाया गया। बयान के मुताबिक, अफगान रक्षा बलों ने डूरंड रेखा के आसपास के क्षेत्रों में अभियान चलाकर पाकिस्तानी सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया। इस कार्रवाई के दौरान 14 सैनिकों के मारे जाने और 11 अन्य के घायल होने की जानकारी दी गई है। इसके अलावा एक बख्तरबंद टैंक और एक सैन्य वाहन भी पूरी तरह नष्ट हो गया और सेवा से बाहर हो गया।इस्लामिक अमीरात के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि यह कार्रवाई 'दमन अस्वीकार करो' नामक जवाबी अभियान के तहत की गई है। मंत्रालय के अनुसार, इससे पहले अफगान सेना ने पाकिस्तान के एक रणनीतिक सैन्य केंद्र को भी निशाना बनाया था। बयान में कहा गया कि शाम करीब 5 बजे अफगान वायु सेना ने इस्लामाबाद के फ़ैज़ाबाद क्षेत्र में स्थित पाकिस्तानी सेना के रणनीतिक केंद्र 'हमज़ा' पर हवाई हमला किया। अफगान पक्ष का कहना है कि यह कार्रवाई पाकिस्तान द्वारा पहले किए गए हवाई हमले के बाद की गई है। काबुल के अनुसार, पाकिस्तान के हमले में अफगानिस्तान में नागरिकों की मौत हुई थी और कई स्थानों पर बुनियादी ढांचे को नुकसान पहुंचा था।इस घटनाक्रम के बाद दोनों देशों के बीच तनाव और बढ़ गया है। सुरक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि सीमा क्षेत्र में बढ़ती सैन्य गतिविधियां क्षेत्रीय स्थिरता के लिए चिंता का विषय बन सकती हैं। फिलहाल दोनों देशों की ओर से स्थिति पर करीबी नजर रखी जा रही है और सीमा क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है।

किम जोंग उन का शक्ति प्रदर्शन!

पूर्वी सागर की ओर दागीं कई मिसाइलें

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

एशिया-प्रशांत क्षेत्र में एक बार फिर सैन्य तनाव बढ़ गया है। उत्तर कोरिया ने पूर्व दिशा की ओर कई अज्ञात मिसाइल दागे हैं, जिससे दक्षिण कोरिया, जापान और अमेरिका सहित पूरे क्षेत्र में सुरक्षा चिंताएं बढ़ गई हैं। दक्षिण कोरिया के रक्षा मंत्रालय और संयुक्त सेनाध्यक्षों ने पुष्टि की है कि उत्तर कोरिया ने राजधानी क्षेत्र के सुनान इलाके से लगभग दस अज्ञात मिसाइल पूर्वी सागर की ओर छोड़े। यह घटनाक्रम ऐसे समय सामने आया है जब दक्षिण कोरिया और अमेरिका संयुक्त सैन्य अभ्यास कर रहे हैं और क्षेत्र में कूटनीतिक गतिविधियां भी तेज हो गई हैं।दक्षिण कोरिया की सेना के अनुसार ये मिसाइल दोपहर करीब 1 बजकर 20 मिनट के आसपास दागे गए। प्रारंभिक आकलन के मुताबिक इनमें से कम से कम एक मिसाइल संभवतः दूरमार्ग मिसाइल की श्रेणी का हो सकता है। जापान के रक्षा मंत्रालय ने भी इस घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि उत्तर कोरिया से छोड़ा गया मिसाइल संभवतः समुद्र में गिर चुका है। शुरुआती जानकारी के अनुसार यह मिसाइल जापान के विशेष आर्थिक क्षेत्र के बाहर समुद्र में गिरा, जिससे किसी बड़े नुकसान की सूचना नहीं मिली है।घटना के बाद जापान सरकार ने तुरंत आपात प्रतिक्रिया तंत्र सक्रिय कर दिया। प्रधानमंत्री साने ताकाइची के कार्यालय ने सुरक्षा एजेंसियों को विमान, जहाज और अन्य सैन्य संसाधनों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही संभावित आपात स्थितियों से निपटने के लिए सभी आवश्यक सावधानी उपाय लागू करने के आदेश भी जारी किए गए हैं।इस बीच दक्षिण कोरिया के रक्षा मंत्रालय ने बताया कि उत्तर कोरिया की ओर से यह गतिविधि ऐसे समय में सामने आई है जब कुछ सप्ताह पहले ही प्योंगयांग ने सियोल की शांति पहल को छलपूर्ण और भ्रामक बताया था। गौरतलब है कि उत्तर कोरिया लंबे समय से दक्षिण कोरिया और अमेरिका के संयुक्त सैन्य अभ्यास का विरोध करता रहा है। उसका आरोप है कि ये अभ्यास वास्तव में उसके खिलाफ सैन्य आक्रमण की तैयारी के समान हैं। हालांकि सियोल और वाशिंगटन का कहना है कि यह अभ्यास पूरी तरह रक्षात्मक प्रकृति के हैं और इनका उद्देश्य केवल क्षेत्रीय सुरक्षा के लिए सैन्य तैयारियों का परीक्षण करना है। कूटनीतिक स्तर पर भी नई चर्चाएं सामने आई हैं। दक्षिण कोरिया के प्रधानमंत्री किम मिन सिओक ने कहा कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का मानना है कि उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन के साथ एक और शिखर वार्ता उपयोगी हो सकती है। उत्तर कोरिया की यह मिसाइल गतिविधि एशिया-प्रशांत क्षेत्र की सुरक्षा व्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण संकेत है।

संपादक की कलम से

समाज और राष्ट्र के विकास के लिए शांति व्यवस्था का होना अत्यंत आवश्यक है। जहां शांति और कानून व्यवस्था मजबूत होती है, वहां लोगों का जीवन सुरक्षित, संतुलित और व्यवस्थित रहता है। शांति व्यवस्था केवल अपराधों को नियंत्रित करने तक सीमित नहीं होती, बल्कि यह सामाजिक समरसता, न्याय और स्थिरता की भी आधारशिला होती है। यदि किसी देश या समाज में शांति भंग होती है तो उसका सीधा प्रभाव वहां की अर्थव्यवस्था, शिक्षा, व्यापार और सामाजिक जीवन पर पड़ता है।आज के समय में शांति व्यवस्था बनाए रखना सरकार और प्रशासन के लिए एक बड़ी चुनौती बनता जा रहा है। तेजी से बढ़ती आबादी, बेरोजगारी, सामाजिक असमानता और राजनीतिक तनाव कई बार कानून व्यवस्था के लिए कठिन परिस्थितियां पैदा कर देते हैं। ऐसे में प्रशासनिक तंत्र की जिम्मेदारी और भी बढ़ जाती है कि वह निष्पक्ष और प्रभावी ढंग से कानून का पालन सुनिश्चित करे।शांति व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस और प्रशासन की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण होती है। पुलिस न केवल अपराधों की रोकथाम करती है, बल्कि संकट की स्थिति में लोगों की सुरक्षा भी सुनिश्चित करती है। हालांकि केवल पुलिस या प्रशासन के प्रयासों से ही स्थायी शांति स्थापित नहीं की जा सकती। इसके लिए समाज के प्रत्येक नागरिक की भी समान जिम्मेदारी होती है। यदि लोग कानून का सम्मान करें, आपसी सहयोग और सहिष्णुता का व्यवहार अपनाएं, तो समाज में शांति और सद्भाव बनाए रखना आसान हो जाता है।वर्तमान समय में सोशल मीडिया और डिजिटल माध्यमों का प्रभाव भी शांति व्यवस्था पर पड़ता है। कई बार अफवाहें, भ्रामक जानकारी या भड़काऊ संदेश समाज में तनाव और विवाद पैदा कर देते हैं। इसलिए जरूरी है कि लोग ऐसी सूचनाओं को बिना सत्यापन के आगे न बढ़ाएं और प्रशासन भी समय पर सही जानकारी देकर अफवाहों पर नियंत्रण रखे।शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए शिक्षा और जागरूकता भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। जब लोगों में नैतिक मूल्यों, संवैधानिक अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति जागरूकता बढ़ती है, तब वे समाज में जिम्मेदार नागरिक के रूप में व्यवहार करते हैं। इससे सामाजिक विवादों और अपराधों में भी कमी आती है।इसके अलावा, सरकार को भी यह सुनिश्चित करना चाहिए कि विकास की योजनाएं समाज के सभी वर्गों तक समान रूप से पहुंचें। जब लोगों को शिक्षा, रोजगार और मूलभूत सुविधाएं मिलती हैं, तो असंतोष और अपराध की प्रवृत्ति भी कम होती है। इसलिए सामाजिक न्याय और आर्थिक विकास भी शांति व्यवस्था को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। अंततः कहा जा सकता है कि शांति व्यवस्था केवल प्रशासन की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि यह पूरे समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। सरकार, प्रशासन और नागरिक यदि मिलकर सहयोग करें, तो एक सुरक्षित, शांतिपूर्ण और समृद्ध समाज का निर्माण किया जा सकता है। शांति ही प्रगति का मार्ग प्रशस्त करती है और यही किसी भी राष्ट्र की स्थायी उन्नति की सबसे मजबूत नींव है।

'हार का शतक' लगाएगी कांग्रेस!
पीएम मोदी का तीखा तंज

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शिलांग-सिलचर कॉरिडोर के भूमि पूजन के दौरान कांग्रेस पर तीखा हमला किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस लगातार चुनाव हार रही है और देश उसके पुराने कार्यों का जवाब दे रहा है। साथ ही उन्होंने पूर्वोत्तर की उपेक्षा और असम में 'बांटो और राज करो' की नीति अपनाने का आरोप लगाया।

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को कांग्रेस पार्टी पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि देश उन्हें उनके अतीत के कार्यों का दंड दे रहा है और पार्टी लगातार चुनावी हार का सामना कर रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस निकट भविष्य में हार का शतक लगाने की ओर बढ़ रही है और हताशा में देश के विरुद्ध आक्रामक रुख अपना रही है।प्रधानमंत्री ने यह बात शिलांग-सिलचर कॉरिडोर के भूमि पूजन के बाद आयोजित एक जनसभा को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि असम की जनता ने कांग्रेस को सत्ता से बाहर कर दिया है और अब देश के अन्य राज्यों में भी लोग कांग्रेस को सबक सिखा रहे हैं। उनके अनुसार कांग्रेस लगातार चुनाव हार रही है और जनता अब उसके पुराने कार्यों का जवाब दे रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हाल ही में आयोजित एआई शिखर सम्मेलन के दौरान भारत मंडपम में हुए विरोध प्रदर्शन का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि भारतीय युवा कांग्रेस के कुछ सदस्यों ने सम्मेलन को बदनाम करने की कोशिश में अजीब तरह का विरोध प्रदर्शन किया और सार्वजनिक रूप से अपने कपड़े फाड़ दिए। उन्होंने कहा कि यह कांग्रेस की हताशा को दर्शाता है और ऐसा लगता है कि अब पार्टी के पास निराशा में इस तरह के कदम उठाने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा है। प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि पूरे देश ने इस तरह के विरोध प्रदर्शन की आलोचना की। प्रधानमंत्री ने वर्तमान राजनीतिक माहौल की तुलना पिछली सरकारों के दौर से करते हुए कांग्रेस पर असम के युवाओं को हिंसा और आतंकवाद के चक्र में धकेलने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने असम को 'बांटो और राज करो' की नीति की प्रयोगशाला बना दिया था, जिसके कारण राज्य लंबे समय तक अस्थिरता और हिंसा से जूझता रहा। इसके विपरीत आज असम के युवाओं के सामने नए अवसर खुल रहे हैं और विकास के नए रास्ते तैयार हो रहे हैं।उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता के बाद दशकों तक पूर्वोत्तर क्षेत्र की उपेक्षा की गई और उसे देश की मुख्यधारा से दूर रखा गया। प्रधानमंत्री के अनुसार कांग्रेस सरकारों के दौरान पूर्वोत्तर के विकास के लिए पर्याप्त प्रयास नहीं किए गए। उन्होंने कहा कि उस समय इस क्षेत्र को उसके हाल पर छोड़ दिया गया था, जिससे यहां की संभावनाओं का पूरा उपयोग नहीं हो सका।प्रधानमंत्री ने बराक घाटी का जिक्र करते हुए कहा कि आजादी के समय सीमा निर्धारण इस तरह से होने दिया गया कि इस क्षेत्र का समुद्र से महत्वपूर्ण संपर्क पूरी तरह टूट गया। उन्होंने कहा कि बराक घाटी कभी एक प्रमुख व्यापारिक मार्ग और औद्योगिक केंद्र के रूप में जानी जाती थी, लेकिन इस संपर्क के टूटने के कारण क्षेत्र अपनी मूल आर्थिक शक्ति से वंचित हो गया।उन्होंने यह भी कहा कि आजादी के बाद लंबे समय तक कांग्रेस सरकारें सत्ता में रहीं, लेकिन इसके बावजूद बराक घाटी के विकास को बढ़ावा देने के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। प्रधानमंत्री ने कहा कि वर्तमान सरकार पूर्वोत्तर के विकास को प्राथमिकता देते हुए क्षेत्र को देश की मुख्यधारा से मजबूत तरीके से जोड़ने के लिए लगातार काम कर रही है।

पंजाब में 'रिमोट कंट्रोल' सरकार! अमित शाह का भगवंत मान पर बड़ा हमला

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

पंजाब के मोगा में आयोजित होने वाली भाजपा की 'बदलाव रैली' से पहले केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने राज्य की भगवंत मान सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आम आदमी पार्टी (AAP) की सरकार को "रिमोट-कंट्रोल्ड सरकार" बताते हुए पंजाब में कानून-व्यवस्था और विकास की स्थिति पर सवाल उठाए। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर पोस्ट करते हुए अमित शाह ने कहा कि पंजाब के लोग मौजूदा सरकार से बदलाव चाहते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि आम आदमी पार्टी की सरकार राज्य के मामलों को प्रभावी ढंग से संभालने में विफल रही है। शाह ने कहा कि पंजाब की पवित्र भूमि, जो अपने मेहनती किसानों, युवाओं और परिश्रमी लोगों के लिए जानी जाती है, आज भ्रष्टाचार, नशाखोरी और अपराध जैसी समस्याओं से जूझ रही है। उन्होंने आगे कहा कि रिमोट-कंट्रोल्ड AAP सरकार के शासन में पंजाब में कानून-व्यवस्था और विकास का नामोनिशान नहीं दिखाई दे रहा है। शाह ने कहा कि पंजाब के लोग अब इस स्थिति से बदलाव चाहते हैं और वह मोगा में आयोजित भाजपा की 'बदलाव रैली' में राज्य के लोगों से संवाद करने के लिए उत्सुक हैं। भाजपा की यह

रैली आगामी 2027 पंजाब विधानसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए पार्टी के चुनावी अभियान की शुरुआत के रूप में देखी जा रही है। पार्टी इस रैली के माध्यम से राज्य में अपनी राजनीतिक सक्रियता बढ़ाने और जनसमर्थन जुटाने की कोशिश कर रही है। गौरतलब है कि 2022 पंजाब विधानसभा चुनाव में राज्य की राजनीति में बड़ा बदलाव देखने को मिला था। 20 फरवरी 2022 को सभी 117 विधानसभा सीटों के लिए मतदान हुआ था और 10 मार्च को घोषित परिणामों में आम आदमी पार्टी ने ऐतिहासिक जीत हासिल की थी। पार्टी को कुल 92 सीटें मिली थीं, जो बहुमत के लिए आवश्यक 59 सीटों से काफी अधिक थीं।वहीं, उस चुनाव में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस को करारी हार का सामना करना पड़ा था और वह केवल 18 सीटों पर सिमट गई थी। इसके अलावा शिरोमणि अकाली दल को 3 सीटें और भारतीय जनता पार्टी को सिर्फ 2 सीटें मिली थीं। चुनाव परिणामों के बाद आम आदमी पार्टी ने राज्य में सरकार बनाई और भगवंत मान ने मुख्यमंत्री पद की जिम्मेदारी संभाली।

एलपीजी की कमी से लोग परेशान
राउत बोले—सरकार चुनाव में व्यस्त

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

शिवसेना (यूबीटी) के सांसद संजय राउत ने शनिवार को एलपीजी सिलेंडरों की कथित कमी को लेकर केंद्र और महाराष्ट्र सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार समस्या का समाधान करने के बजाय झूठी कहानी फैलाने और चुनाव प्रचार में व्यस्त है। राउत ने दावा किया कि गैस की कमी के कारण होटल उद्योग का लगभग 40 प्रतिशत हिस्सा प्रभावित हो गया है और लोग सिलेंडर पाने के लिए लंबी कतारों में खड़े होने को मजबूर हैं। संजय राउत ने कहा कि राज्य और केंद्र दोनों स्तरों पर सरकारें यह दावा कर रही हैं कि सब कुछ सामान्य है, जबकि जमीनी हकीकत इससे अलग है। उन्होंने आरोप लगाया कि एलपीजी की कमी से आम लोगों के साथ-साथ छोटे होटल और ढाबा संचालकों को भी भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।राउत ने मौजूदा स्थिति के लिए भाजपा की अंतरराष्ट्रीय राजनीति में विफलता को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा कि सरकार यह प्रचार कर रही है कि आपूर्ति सुचारू रूप से चल रही है, लेकिन वास्तविकता यह है कि कई स्थानों पर गैस सिलेंडर की कमी महसूस की जा रही है। उन्होंने यह भी कहा कि भाजपा नेता इस समय दक्षिण भारत में चुनाव प्रचार में व्यस्त हैं, जबकि लोगों को जरूरी सुविधाओं के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है।उन्होंने कहा कि गैस की कमी के कारण होटल उद्योग पर गंभीर असर पड़ा है और कई छोटे व्यवसाय प्रभावित हुए हैं। उनके अनुसार लगभग 40 प्रतिशत होटल उद्योग ठप हो चुका है। इसके बावजूद सरकार के वरिष्ठ नेता इस मुद्दे पर चुप्पी साधे हुए हैं।राउत ने कहा कि वर्तमान स्थिति लोगों को नोटबंदी के समय की याद दिला रही है, जब बैंकों और एटीएम के बाहर लंबी कतारें लग जाती थीं। उन्होंने दावा किया कि अब गैस सिलेंडरों के लिए भी उसी तरह की कतारें देखी जा रही हैं। भाजपा पर और निशाना साधते हुए राउत ने कहा कि सरकार अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी प्रभावी भूमिका निभाने में असफल रही है। उन्होंने कहा कि यदि भारत को ईरान जैसे देशों से ऊर्जा आपूर्ति सुनिश्चित करनी है तो उसे तटस्थ रुख अपनाते हुए बेहतर कूटनीतिक प्रयास करने होंगे। उन्होंने यह भी कहा कि भारत और ईरान के

संबंध केवल तेल टैंकरों की रिहाई तक सीमित नहीं होने चाहिए। राउत ने व्यंग्य करते हुए कहा कि दिल्ली में 'नरेंद्रभाई गायब, सिलेंडर गायब' का नारा सुनाई दे रहा है। उन्होंने सवाल उठाया कि इस गंभीर मुद्दे पर चर्चा करने के लिए बैठक कौन बुलाएगा, क्योंकि प्रधानमंत्री फिलहाल उपलब्ध नहीं हैं।

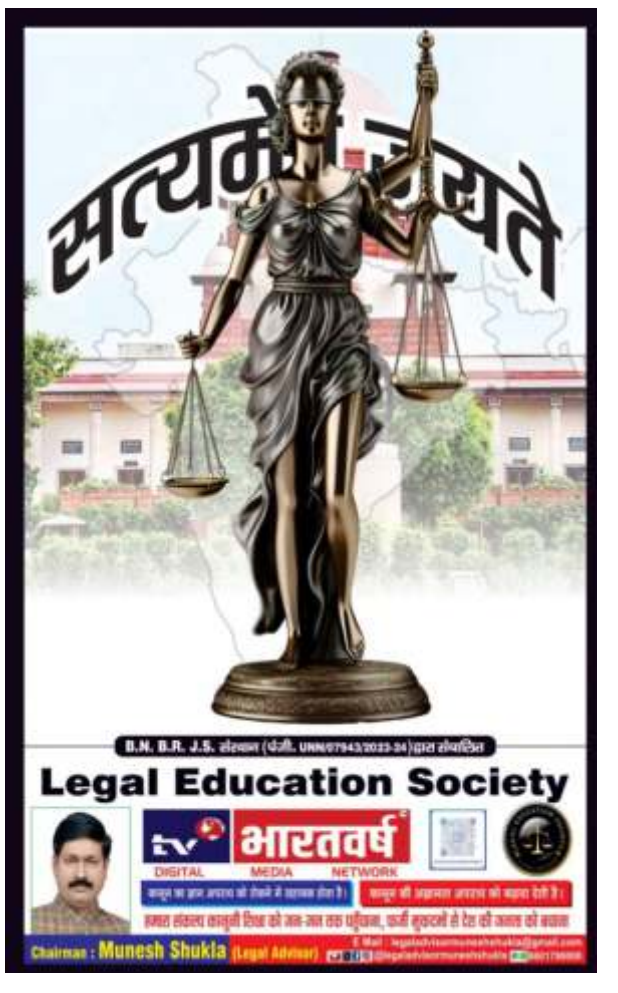

धुएँ की गिरफ्त में सेहत: क्यों जरूरी है धूम्रपान से दूरी और जागरूकता

आज की तेज़ रफ्तार और प्रतिस्पर्धा से भरी जीवनशैली में स्वास्थ्य को सबसे बड़ा धन माना जाता है। स्वस्थ शरीर और संतुलित जीवन ही किसी व्यक्ति को खुशहाल और सफल बना सकता है। लेकिन दुर्भाग्य से आधुनिक जीवन की भागदौड़ के बीच धूम्रपान और तंबाकू की बढ़ती लत लोगों के स्वास्थ्य को गंभीर रूप से प्रभावित कर रही है। यह समस्या केवल व्यक्तिगत स्तर तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज, अर्थव्यवस्था और आने वाली पीढ़ियों के लिए भी बड़ी चुनौती बन चुकी है। इसी कारण विश्व स्तर पर लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से हर वर्ष मार्च के दूसरे बुधवार को 'नो स्मोकिंग डे' मनाया जाता है। इस दिन का उद्देश्य लोगों को धूम्रपान के खतरों के बारे में जागरूक करना और उन्हें तंबाकू से दूर रहने के लिए प्रेरित करना है।धूम्रपान मानव शरीर के लिए अत्यंत हानिकारक माना जाता है। तंबाकू में मौजूद निकोटीन और अन्य विषैले तत्व शरीर के लगभग हर अंग को प्रभावित करते हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार हर वर्ष लगभग 80 लाख लोगों की मृत्यु तंबाकू के सेवन के कारण होती है। इनमें से लाखों लोग सीधे धूम्रपान करने वाले होते हैं, जबकि बड़ी संख्या में ऐसे लोग भी होते हैं जो स्वयं धूम्रपान नहीं करते, लेकिन दूसरों के धुएं के संपर्क में आने के कारण गंभीर बीमारियों का शिकार हो जाते हैं। इससे स्पष्ट होता है कि धूम्रपान का प्रभाव केवल धूम्रपान करने वाले व्यक्ति तक सीमित नहीं रहता, बल्कि उसके आसपास रहने वाले लोगों के स्वास्थ्य पर भी पड़ता है।तंबाकू के दुष्प्रभाव केवल एक-दो बीमारियों तक सीमित नहीं हैं। धूम्रपान फेफड़ों के कैंसर का प्रमुख कारण माना जाता है और दुनिया में होने वाली फेफड़ों के कैंसर से जुड़ी अधिकांश मौतें इसी कारण होती हैं। इसके अलावा धूम्रपान हृदय रोग, स्ट्रोक, दमा, ब्रोंकाइटिस और कई अन्य श्वसन संबंधी बीमारियों को जन्म देता है। लंबे समय तक तंबाकू का सेवन करने से मुंह, गले, पेट और लीवर के कैंसर का खतरा भी बढ़ जाता है। इस प्रकार तंबाकू धीरे-धीरे शरीर के लगभग हर अंग को नुकसान पहुंचाता है और व्यक्ति के जीवन की गुणवत्ता को प्रभावित करता है।वर्तमान समय में सबसे चिंताजनक स्थिति यह है कि युवाओं और किशोरों में तंबाकू के उपयोग की प्रवृत्ति तेजी से बढ़ रही है। आकर्षक पैकेजिंग, विभिन्न फ्लेवर और सोशल मीडिया के माध्यम से किए जाने वाले प्रचार के कारण ई-सिगरेट और अन्य निकोटीन उत्पाद युवाओं को आकर्षित कर रहे हैं। वैश्विक आंकड़ों के अनुसार 13 से 15 वर्ष की आयु के करोड़ों बच्चे किसी न किसी रूप में तंबाकू का सेवन कर रहे हैं। यह प्रवृत्ति भविष्य में गंभीर स्वास्थ्य संकट का संकेत देती है, क्योंकि कम उम्र में लगने वाली यह लत लंबे समय तक व्यक्ति के जीवन को प्रभावित कर सकती है।भारत में भी तंबाकू की समस्या काफी गंभीर है। देश में करोड़ों लोग किसी न किसी रूप में तंबाकू का सेवन करते हैं। यहां तंबाकू के कई रूप प्रचलित हैं, जैसे खैनी, गुटखा, पान मसाला और जर्दा। इसके साथ ही धूम्रपान व्यक्ति की कार्यक्षमता और सामाजिक जीवन को भी प्रभावित करता है।धूम्रपान केवल शारीरिक समस्याएं ही नहीं पैदा करता, बल्कि मानसिक और सामाजिक समस्याओं को भी जन्म देता है। तंबाकू की लत व्यक्ति को धीरे-धीरे इस पर निर्भर बना देती है। कई युवाओं में यह आदत तनाव, चिंता और आत्मविश्वास की कमी जैसी समस्याओं को बढ़ा सकती है। जब यह आदत किशोरावस्था में लग जाती है, तो इसे छोड़ना और भी कठिन हो जाता है। इसलिए इस समस्या से निपटने के लिए केवल कानून पर्याप्त नहीं है, बल्कि समाज में व्यापक जागरूकता और व्यक्तिगत संकल्प भी जरूरी है।सरकारों ने तंबाकू नियंत्रण के लिए कई कदम उठाए हैं, जैसे सार्वजनिक स्थानों पर धूम्रपान पर प्रतिबंध, तंबाकू उत्पादों पर चेतावनी संदेश और विज्ञापनों पर नियंत्रण। इसके बावजूद इस समस्या का पूर्ण समाधान तभी संभव है जब समाज और व्यक्ति दोनों स्तर पर जागरूकता बढ़े। परिवार, विद्यालय और सामाजिक संस्थाएं मिलकर लोगों को तंबाकू के दुष्प्रभावों के बारे में जागरूक कर सकती हैं।अंततः यह समझना आवश्यक है कि जीवन की हर सांस अनमोल है और इसे किसी भी प्रकार की लत के कारण बर्बाद नहीं किया जाना चाहिए। धूम्रपान छोड़ना कठिन अवश्य हो सकता है, लेकिन असंभव नहीं। यदि व्यक्ति दृढ़ निश्चय कर ले और परिवार तथा समाज का सहयोग मिले, तो वह इस आदत से मुक्त हो सकता है। इसलिए आवश्यक है कि हम स्वयं भी धूम्रपान से दूर रहें और दूसरों को भी इसके खतरों के बारे में जागरूक करें, ताकि एक स्वस्थ और सुरक्षित समाज का निर्माण किया जा सके।

खराब प्रदर्शन पर भारी जुर्माने की चर्चा फर्जी, पाकिस्तान बोर्ड ने तोड़ी चुप्पी

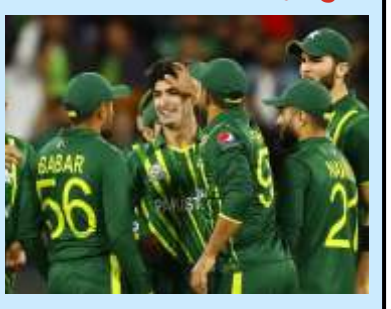

टी20 विश्व कप में पाकिस्तान टीम के निराशाजनक प्रदर्शन के बाद खिलाड़ियों पर भारी जुर्माना लगाए जाने की खबरों को लेकर उठे विवाद के बीच पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने आखिरकार स्थिति स्पष्ट कर दी है। बोर्ड ने शनिवार को आधिकारिक रूप से इन खबरों का खंडन करते हुए कहा कि खिलाड़ियों पर किसी प्रकार का कोई जुर्माना नहीं लगाया गया है और इस तरह की खबरें पूरी तरह से अफवाह और निराधार हैं।दरअसल, पाकिस्तान के टूर्नामेंट से जल्दी बाहर होने के बाद कई मीडिया रिपोर्ट्स और सोशल मीडिया पोस्ट्स में यह दावा किया गया था कि खराब प्रदर्शन के कारण पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने टीम के खिलाड़ियों पर कड़ी कार्रवाई की है। इन खबरों में कहा गया कि 15 सदस्यीय टीम के प्रत्येक खिलाड़ी पर 50-50 लाख पाकिस्तानी रुपये का जुर्माना लगाया गया है। इस खबर ने क्रिकेट जगत में काफी चर्चा पैदा कर दी थी और प्रशंसकों के बीच भी इसको लेकर कई तरह की प्रतिक्रियाएं सामने आई थीं।हालांकि, अब पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने इन दावों को पूरी तरह खारिज कर दिया है। पीसीबी के प्रवक्ता आमिर मीर ने स्पष्ट किया कि बोर्ड की ओर से ऐसा कोई फैसला कभी नहीं लिया गया और न ही खिलाड़ियों पर जुर्माना लगाने का कोई विचार किया गया था। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया और कुछ रिपोर्ट्स में जो बातें सामने आईं, वे पूरी तरह से भ्रामक और गलत हैं।

धोनी की तैयारी देख फैंस हुए खुश

बल्ले पर धार देते हुए आए नजर

गंभीर को गांगुली की चेतावनी

बोले– टेस्ट क्रिकेट में सुधार जरूरी

भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने हाल ही में एक बड़ी उपलब्धि हासिल करते हुए इतिहास रच दिया है। वह टीम इंडिया के पहले ऐसे हेड कोच बन गए हैं जिनकी कोचिंग में भारत ने दो आईसीसी खिताब जीते हैं। उनकी अगुवाई में भारतीय टीम ने पहले वर्ष 2025 में आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी का खिताब अपने नाम किया और इसके बाद टी20 वर्ल्ड कप 2026 जीतकर एक और बड़ी सफलता हासिल की। इन उपलब्धियों ने भारतीय क्रिकेट में गंभीर की कोचिंग क्षमता को नई पहचान दिलाई है।हालांकि इस शानदार सफलता के बावजूद टीम इंडिया के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ने गंभीर को एक महत्वपूर्ण सलाह दी है। गांगुली का मानना है कि सीमित ओवरों के क्रिकेट में भारत ने बेहतरीन प्रदर्शन किया है, लेकिन टेस्ट क्रिकेट में टीम को अभी काफी सुधार करने की जरूरत है।गांगुली ने इस बात की ओर भी ध्यान दिलाया कि जब से गंभीर ने भारतीय टीम के हेड कोच का पद संभाला है, तब से भारत को टेस्ट क्रिकेट में कुछ निराशाजनक नतीजों का सामना करना पड़ा है। भारतीय टीम अपने घरेलू मैदान पर न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दो टेस्ट सीरीज हार चुकी है। इसके अलावा भारत बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी 2024-25 को भी अपने पास बनाए रखने में असफल रहा था। पूर्व कप्तान ने कहा कि अगर टीम को टेस्ट क्रिकेट में बेहतर प्रदर्शन करना है तो खिलाड़ियों और टीम प्रबंधन को पिच के बारे में ज्यादा सोचने से बचना होगा। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में भी पिच को लेकर काफी चर्चा हुई, लेकिन इसका कोई सकारात्मक परिणाम नहीं निकला।

IPL से पहले बड़ा झटका!

हर्षित राणा फिट नहीं हुए तो किसे मिलेगा मौका?

युवा तेज गेंदबाज हर्षित राणा की फिटनेस को लेकर चिंता जताई जा रही है। जानकारी के अनुसार, हर्षित राणा को टीम इंडिया में मोहम्मद सिराज के रिप्लेसमेंट के रूप में शामिल किया गया था। हालांकि अब ऐसी खबरें सामने आ रही हैं कि वह आगामी इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के लिए पूरी तरह फिट नहीं हो सकते। यदि ऐसा होता है तो उनकी टीम को उनके स्थान पर किसी अन्य खिलाड़ी को शामिल करना पड़ सकता है।हर्षित राणा हाल के समय में अपने प्रदर्शन के कारण चर्चा में रहे हैं और उन्हें भारतीय टीम के संभावित खिलाड़ियों में भी माना जा रहा था। मोहम्मद सिराज की जगह टीम में मौका मिलने के बाद उनसे अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद की जा रही थी। लेकिन अब उनकी फिटनेस को लेकर सामने आ रही खबरों ने टीम प्रबंधन और प्रशंसकों की चिंता बढ़ा दी है।बताया जा रहा है कि यदि हर्षित राणा आईपीएल के लिए पूरी तरह फिट नहीं हो पाते हैं तो उनकी जगह किसी अन्य खिलाड़ी को टीम में शामिल किया जा सकता है। ऐसे में कई युवा और अनुभवी खिलाड़ियों के नाम सामने आ रहे हैं, जो इस मौके का फायदा उठा सकते हैं। क्रिकेट विशेषज्ञों का मानना है कि आईपीएल जैसी बड़ी प्रतियोगिता में किसी भी खिलाड़ी की अनुपस्थिति टीम के लिए चुनौती बन सकती है, इसलिए टीम प्रबंधन विकल्पों पर विचार कर रहा है।क्रिकेट जगत में चर्चा है कि यदि हर्षित राणा बाहर होते हैं तो उनकी जगह तीन संभावित खिलाड़ियों को मौका मिल सकता है। ये खिलाड़ी अपनी गेंदबाजी और हाल के प्रदर्शन के कारण चयनकर्ताओं की नजर में हैं। हालांकि अभी तक इस बारे में कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। फिलहाल सभी की नजरें हर्षित राणा की फिटनेस रिपोर्ट पर टिकी हुई हैं।

कुलदीप यादव की संगीत सेरेमनी में मची धूम

रैना और चहल के साथ जमकर लगा ठुमका

टीम इंडिया के स्टार स्पिनर कुलदीप यादव इन दिनों अपनी शादी से पहले होने वाले समारोहों को लेकर चर्चा में हैं। उत्तराखंड के खूबसूरत हिल स्टेशन मसूरी में चल रहे प्री-वेडिंग फंक्शनों की तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहे हैं। हाल ही में उनके संगीत समारोह का एक वीडियो सामने आया है, जिसमें कुलदीप अपने दोस्तों और क्रिकेट साथियों के साथ जमकर मस्ती करते और डांस करते नजर आ रहे हैं।संगीत समारोह के इस वायरल वीडियो में कुलदीप यादव बेहद खुश और उत्साहित दिखाई दे रहे हैं। समारोह में मौजूद मेहमानों के बीच माहौल पूरी तरह उत्सव और आनंद से भरा हुआ था। खास बात यह रही कि इस कार्यक्रम में कई क्रिकेट सितारे भी शामिल हुए, जिन्होंने इस खुशी के मौके को और भी यादगार बना दिया।वीडियो में पूर्व भारतीय क्रिकेटर सुरेश रैना भी कुलदीप यादव के साथ डांस फ्लोर पर नजर आ रहे हैं। दोनों बॉलीवुड गानों की धुन पर पूरे जोश के साथ झूमते दिखाई दे रहे हैं। कुलदीप और रैना का यह डांस समारोह में मौजूद मेहमानों के लिए खास आकर्षण बन गया। जैसे ही यह वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया, क्रिकेट प्रशंसकों ने इसे काफी पसंद किया और बड़ी संख्या में इसे शेयर भी किया।इस संगीत समारोह में सिर्फ कुलदीप यादव और सुरेश रैना ही नहीं, बल्कि भारतीय क्रिकेट से जुड़े कई अन्य चेहरे भी मौजूद थे। टीम इंडिया के फील्डिंग कोच टी दिलीप भी इस मौके पर समारोह में शामिल हुए। उन्होंने भी डांस फ्लोर पर आकर मेहमानों के साथ मस्ती की और माहौल को और भी खुशनुमा बना दिया। इसके अलावा भारतीय टीम के लेग स्पिनर युजवेंद्र चहल भी इस समारोह में शामिल हुए। चहल की मौजूदगी ने इस कार्यक्रम में क्रिकेट जगत की चमक और बढ़ा दी। समारोह के दौरान सभी खिलाड़ियों ने मिलकर संगीत, डांस और हंसी-मजाक के साथ इस खास पल को यादगार बना दिया।मसूरी में आयोजित हो रहे इन प्री-वेडिंग फंक्शनों की तस्वीरें और वीडियो लगातार सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं।

ईरान जंग पर 'चीन के नास्त्रेदमस' की भविष्यवाणी चर्चा में

क्या अमेरिका ये जंग हारेगा?

इतिहासकार जियांग शुएछिन के 2024 के लेक्चर 'द ईरान ट्रैप' की भविष्यवाणियां मौजूदा ईरान-अमेरिका युद्ध से हूबहू मेल खा रही हैं. उन्होंने ट्रंप की वापसी, ईरान से सैन्य टकराव और खामेनेई की मौत जैसे घटनाक्रमों का संकेत पहले ही दे दिया था.

चीनी-कनाडाई इतिहासकार जियांग शुएछिन का 2024 में दिया गया एक लेक्चर इन दिनों सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है. लोगों का कहना है कि उसमें की गई कुछ भविष्यवाणियां मौजूदा घटनाओं से मेल खाती दिखाई दे रही हैं.

चीनी-कनाडाई इतिहासकार जियांग शुएछिन का 2024 में दिया गया एक लेक्चर इन दिनों सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है. लोगों का कहना है कि उसमें की गई कुछ भविष्यवाणियां मौजूदा घटनाओं से मेल खाती दिखाई दे रही हैं. जियांग को कई सोशल मीडिया यूजर्स मजाक में 'चीन का नास्त्रेदमस' कह रहे हैं. वजह यह है कि उनके लेक्चर में बताए गए कुछ राजनीतिक अनुमान बाद की घटनाओं से मिलते-जुलते लग रहे हैं. खासतौर पर ताजा ईरान जंग पर उनकी प्रेडिक्शन पर अब बात की जा रही है. जियांग ने कहा था कि ट्रंप के नेतृत्व में अमेरिका और ईरान के बीच बड़ा टकराव हो सकता है. उनके अनुसार दोनों देशों के बीच पहले से मौजूद तनाव किसी समय सैन्य संघर्ष का रूप ले सकता है. यही वजह है कि उनके पुराने लेक्चर को अब वर्तमान घटनाओं से जोड़कर देखा जा रहा है. जियांग की भविष्यवाणी सबसे ज्यादा इसलिए वायरल हुई, क्योंकि उन्होंने कहा था कि अगर अमेरिका और ईरान के बीच युद्ध लंबा खिंचता है तो अमेरिका के लिए इसे जीतना आसान नहीं होगा. उनके मुताबिक भौगोलिक स्थिति और क्षेत्रीय नेटवर्क के कारण ईरान लंबे संघर्ष में मजबूत स्थिति में रह सकता है. जियांग शुएछिन एक चीनी-कनाडाई इतिहासकार, लेखक और शिक्षा विशेषज्ञ हैं, जो वैश्विक राजनीति, इतिहास और रणनीति जैसे विषयों पर अपने विश्लेषण के लिए जाने जाते हैं. ⊙

महिला ने बनाई बटर चिकन आइसक्रीम, भड़के लोग

बटर चिकन आइसक्रीम बनाने की विधि बताने वाली एक फूड व्लॉगर का वायरल वीडियो इंटरनेट पर लोगों को गुस्सा दिला रहा है. लोग यह कहते नजर आए कि इसने बटर चिकन को भी बर्बाद कर दिया. कई लोग इसे देखकर बटर चिकन नहीं खा पाएंगे. इंटरनेट पर ऐसे कई वीडियो वायरल होते रहते हैं, जिनमें खाने के मजेदार आयटम बनाने की रेसिपी बताई जाती है. इन्हें देख लोग खान बनाने को भी इंस्पायर्ड होते हैं. ⊙

CEO के कहने पर कैंडिडेट ने बीच में ही छोड़ी नौकरी

सिंगापुर में एक नौकरी का इंटरव्यू उस समय चर्चा का विषय बन गया, जब अंतिम राउंड के दौरान कंपनी के सीईओ और उम्मीदवार के बीच तीखी बहस हो गई. दरअसल, सेल्स पोस्ट के लिए इंटरव्यू दे रहे एक युवक ने सीईओ के व्यवहार से नाराज होकर बीच में ही इंटरव्यू खत्म कर दिया और जॉब जॉइन करने से साफ इनकार कर दिया. सिंगापुर में नौकरी इंटरव्यू के दौरान इस घटना को सुनकर हर कोई हैरान है. एक व्यक्ति ने सेल्स की नौकरी के लिए आवेदन किया था. उसके अनुसार, इंटरव्यू के पहले दो राउंड अच्छे से हो गए थे और कंपनी के भर्ती मैनेजर ने उसके रिज्यूमे की भी तारीफ की थी. इससे उसे लगा कि शायद उसे यह नौकरी मिल जाएगी. लेकिन जब अंतिम

राउंड में कंपनी के सीईओ के साथ फोन पर इंटरव्यू हुआ, तो माहौल अचानक बदल गया. सीईओ ने उससे पूछा कि वह छह महीने में कंपनी के लिए कितनी सेल कर सकता है. इस पर उम्मीदवार ने कहा कि अगर उसे प्रोडक्ट का सेल साइकिल पता चल जाए, तो वह सही अनुमान बता सकता है. उम्मीदवार का यह जवाब सुनकर सीईओ नाराज हो गए. ⊙

एलन के घर पहुंची मां को गैराज में सोना पड़ा, फ्रिज भी निकला खाली

अरबपति मस्क का 'कंजूस' आशियाना

दुनिया के सबसे अमीर लोगों में गिने जाने वाले एलॉन मस्क की जिंदगी अक्सर चर्चा में रहती है. लेकिन इस बार चर्चा उनकी कंपनी या टेक्नोलॉजी को लेकर नहीं, बल्कि उनके रहने के तरीके को लेकर हो रही है. दरअसल, मस्क की मां मेये मस्क ने टेक्सास के बोका चीका में उनके घर के बारे में कुछ ऐसी बातें बताई हैं, जिसने सोशल मीडिया पर लोगों का ध्यान खींच लिया है.

मेये मस्क ने यह जानकारी उस पोस्ट के जवाब में दी, जिसमें एलन मस्क के घर की एक तस्वीर शेयर की गई थी. पोस्ट में दावा किया गया था कि अरबपति होने के बावजूद मस्क का घर बेहद साधारण है और वहां सिर्फ जरूरी चीजें ही रखी गई हैं. तस्वीर में एक साधारण ओपन-प्लान लिविंग

मस्क की मां मेये मस्क ने टेक्सास के बोका चीका में उनके घर के बारे में कुछ ऐसी बातें बताई हैं.(Photo-ITG)

और किचन एरिया दिखाई देता है. किचन में सफेद कैबिनेट, स्टेनलेस स्टील का फ्रिज, एक स्टोव और फार्महाउस स्टाइल सिंक नजर आता है. कमरे में फर्नीचर भी काफी साधारण है. कॉफी टेबल पर एक रॉकेट के आकार की सजावटी मूर्ति रखी हुई दिखाई देती है, जिसे कई लोग स्पेसएक्स से जुड़ा प्रतीक मान रहे हैं. इसके पास एक कटाना तलवार और कुछ किताबें भी रखी हुई हैं. कटाना तलवार यानी जापान की पारंपरिक तलवार होती है, जिसे ऐतिहासिक रूप से समुराई योद्धा इस्तेमाल करते थे.कमरे में एक साधारण डाइनिंग टेबल है, जिसकी एक कुर्सी पर काला जैकेट टंगा हुआ दिखता है. कमरे में रोशनी सिंक के ऊपर लगी खिड़की से आ रही है, लेकिन दीवारें लगभग खाली हैं और सजावट के नाम पर बहुत कम चीजें दिखाई देती हैं. मेये मस्क ने उस पोस्ट को दोबारा शेयर करते हुए मजाकिया अंदाज में लिखा कि फ्रिज में कोई खाना नहीं है. उन्होंने यह भी बताया कि जब वह वहां ठहरी थीं, तो उन्हें गैराज में सोना पड़ा. उन्होंने कहा कि शॉवर में सिर्फ एक ही तौलिया था, इसलिए उन्होंने उसे एलन के लिए छोड़ दिया. ⊙

'मन पिशाच' का ट्रेलर देख खड़े हो जाएंगे रोंगटे

मात्र 33 हजार में बना डाली फिल्म! 'तुम्बाड' के डायरेक्टर का नया कारनामा

फिल्म अनिल बर्वे एक बार फिर अपने अनोखे प्रयोग के कारण सुर्खियों में हैं। शनिवार को उन्होंने अपनी आगामी फिल्म मन पिशाच का ट्रेलर जारी किया। ट्रेलर रिलीज के साथ ही निर्देशक ने फिल्म से जुड़ी कई अहम जानकारियां भी साझा कीं, जिनमें सबसे ज्यादा चर्चा इसके बेहद कम बजट को लेकर हो रही है। अनिल बर्वे ने बताया कि यह फिल्म एक साइकोलॉजिकल फोक हॉरर फिल्म है, जिसकी कहानी रहस्य, भय और अलौकिक शक्तियों के इर्द-गिर्द घूमती है।निर्देशक ने अपने इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए फिल्म की कहानी की झलक भी दर्शकों के साथ साझा की। उनके अनुसार, फिल्म की कहानी एक ऐसे नायक के इर्द-गिर्द घूमती है जो एक प्राचीन मंदिर की खोज में निकलता है। इस यात्रा के दौरान

उसे कई रहस्यमयी और भयावह घटनाओं का सामना करना पड़ता है। ट्रेलर में दिखाया गया है कि जैसे-जैसे नायक अपनी मंजिल की ओर बढ़ता है, उसके सामने राक्षसों, भूतों और अजीबोगरीब शक्तियों से जुड़ी डरावनी परिस्थितियां आती जाती हैं। ट्रेलर का हर फ्रेम दर्शकों में सस्पेंस और भय का माहौल पैदा करता है। कई दृश्य इतने डरावने हैं कि उन्हें देखकर रोंगटे खड़े हो जाते हैं। गौरतलब है कि अनिल बर्वे इससे पहले भी हॉरर और प्रयोगधर्मी सिनेमा के लिए पहचाने जाते रहे हैं। वर्ष 2018 में रिलीज हुई उनकी फिल्म तुम्बाड ने दर्शकों और समीक्षकों दोनों से जबरदस्त सराहना हासिल की थी। इस फिल्म में सोहम शाह मुख्य भूमिका में नजर आए थे। अनोखी कहानी, प्रभावशाली निर्देशन और शानदार सिनेमेटोग्राफी के कारण 'तुम्बाड' को हॉरर फिल्मों की श्रेणी में एक कल्ट फिल्म का दर्जा मिल चुका है।इतना ही नहीं, जब 'तुम्बाड' को बाद में दोबारा सिनेमाघरों में रिलीज किया गया तो इसने बॉक्स ऑफिस पर उम्मीद से कहीं ज्यादा कमाई कर सबको चौंका दिया। फिल्म की सफलता ने यह साबित कर दिया कि अच्छी कहानी और दमदार प्रस्तुति के दम पर फिल्म लंबे समय तक दर्शकों के दिलों में अपनी जगह बना सकती है।अब अनिल बर्वे एक बार फिर अपनी नई फिल्म 'मन पिशाच' के साथ दर्शकों के बीच लौट रहे हैं। हाल ही में उन्होंने मायासभा नाम की फिल्म भी रिलीज की थी। हालांकि 'मन पिशाच' को लेकर चर्चा का सबसे बड़ा कारण इसका बेहद कम बजट है। निर्देशक के अनुसार, इस फिल्म का निर्माण मात्र 33 हजार रुपये में किया गया है, जो फिल्म इंडस्ट्री के लिहाज से बेहद चौंकाने वाली बात है।इतनी कम लागत में एक हॉरर फिल्म बनाना अपने आप में एक बड़ा प्रयोग माना जा रहा है। फिल्म प्रेमियों और सिनेमा जगत के जानकारों के बीच यह सवाल भी उठ रहा है कि आखिर इतने सीमित संसाधनों में इस तरह की फिल्म को किस तरह तैयार किया गया। ट्रेलर सामने आने के बाद दर्शकों की उत्सुकता काफी बढ़ गई है और अब सभी को फिल्म की रिलीज का बेसब्री से इंतजार है।

शॉर्ट सर्किट से कांशीराम कॉलोनी के मकान में भीषण आग

लाखों का सामान जलकर खाक

लखनऊ के पारा थाना क्षेत्र की कांशीराम कॉलोनी में शॉर्ट सर्किट से एक मकान में भीषण आग लग गई। दमकल की दो गाड़ियों ने आग पर काबू पाया। घटना के समय घर खाली था, इसलिए जनहानि नहीं हुई। हालांकि आग से लाखों रुपये का घरेलू सामान जलकर नष्ट हो गया।

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

पारा थाना क्षेत्र स्थित सदरौना कांशीराम कॉलोनी में शनिवार सुबह एक मकान में शॉर्ट सर्किट से भीषण आग लग गई। आग लगते ही घर के अंदर रखा सामान जलने लगा और देखते ही देखते पूरे मकान से काले धुएं का घना गुबार उठने लगा। घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई और आसपास के लोग अपने-अपने घरों से बाहर निकल आए। स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस और दमकल विभाग को सूचना दी। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की दो गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग बुझाने का अभियान शुरू किया। दमकल कर्मियों ने काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। आग इतनी तेज थी कि कुछ समय के लिए पूरे इलाके में दहशत का माहौल बन गया। सुरक्षा के मद्देनजर एहतियात के तौर पर क्षेत्र की बिजली आपूर्ति भी बंद कर दी गई, ताकि आग को फैलने से रोका जा सके और राहत कार्य में कोई बाधा न आए।जानकारी के अनुसार, कांशीराम कॉलोनी के ब्लॉक संख्या 38/1 में ऑटो चालक इरशाद अपने परिवार के साथ रहते हैं। शनिवार सुबह उनके मकान में अचानक शॉर्ट सर्किट हो गया, जिसके कारण घर में आग लग गई। आग लगने के समय घर के अंदर कोई भी मौजूद नहीं था, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया। हालांकि, आग तेजी से फैलने के कारण घर के अंदर रखा अधिकांश सामान जलकर खाक हो गया। बताया जा रहा है कि इरशाद के परिवार में उनके पिता, एक बेटा और एक बेटी शामिल हैं। उनकी पत्नी का कुछ समय पहले ही निधन हो चुका है और परिवार किसी तरह जीवन यापन कर रहा है। घटना के समय परिवार के सभी सदस्य किसी काम से घर से बाहर गए हुए थे। इसी दौरान अचानक घर में आग लग गई और कुछ ही देर में आग ने पूरे मकान को अपनी चपेट में ले लिया।प्रारंभिक अनुमान के मुताबिक आग से लाखों रुपये का घरेलू सामान जलकर नष्ट हो गया है। घर में रखा फर्नीचर, कपड़े, इलेक्ट्रॉनिक सामान और अन्य जरूरी वस्तुएं आग की भेंट चढ़ गईं। हालांकि नुकसान का सही आकलन अभी किया जाना बाकी है।घटना की जानकारी मिलते ही आसपास के लोग मौके पर इकट्ठा हो गए और दमकल कर्मियों के साथ मिलकर आग बुझाने में सहयोग करने लगे। लोगों ने पानी और अन्य संसाधनों की मदद से आग पर काबू पाने में मदद की। स्थानीय लोगों की सतर्कता और दमकल विभाग की त्वरित कार्रवाई से आग को जल्द ही नियंत्रित कर लिया गया, जिससे आसपास के अन्य मकानों को नुकसान होने से बचाया जा सका।घटना की सूचना मिलने पर पुलिस भी मौके पर पहुंच गई और स्थिति का जायजा लिया। दमकल विभाग और पुलिस के अधिकारी लगातार घटनास्थल पर मौजूद रहे और राहत कार्य की निगरानी करते रहे। फिलहाल इस घटना में किसी प्रकार की जनहानि की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।प्रशासन ने स्थानीय लोगों से अपील की है कि वे घटनास्थल के आसपास अनावश्यक भीड़ न लगाएं, ताकि राहत और बचाव कार्य में किसी प्रकार की बाधा न आए। वहीं, घटना के कारणों की जांच भी शुरू कर दी गई है और शॉर्ट सर्किट को आग लगने की प्राथमिक वजह माना जा रहा है।

मलिहाबाद में भीषण सड़क हादसा कार की टक्कर से बाइक सवार चार घायल

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

मलिहाबाद थाना क्षेत्र के महमूदनगर ढाल के पास शाम एक भीषण सड़क हादसा हो गया। तेज रफ्तार कार की टक्कर से बाइक सवार चार लोग घायल हो गए, जबकि एक छोटी बच्ची बाल-बाल बच गई। पूरी घटना पास में लगे सीसीटीवी कैमरे में भी कैद हो गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, अल्टो कार ने पैशन प्रो बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि बाइक सवार लोग सड़क पर गिर पड़े और मौके पर अफरा-तफरी मच गई। आसपास मौजूद लोगों ने तुरंत घायलों को संभाला और पुलिस को घटना की सूचना दी। हादसे में आशीष (19) पुत्र रामनाथ निवासी रहमतनगर मलिहाबाद और पंकज (25) पुत्र रामअवतार निवासी रहमतनगर गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों की हालत नाजुक होने के कारण उन्हें बेहतर इलाज के लिए रेफर कर दिया गया है। वहीं रामअवतार (50) पुत्र नन्दा निवासी रहमतनगर भी इस दुर्घटना में घायल हुए हैं। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, टक्कर इतनी तेज थी कि बाइक सवार लोग दूर तक गिर पड़े। घटना के समय आसपास के लोग तुरंत मौके पर पहुंचे और घायलों को उठाकर अस्पताल पहुंचाने में मदद की। गनीमत रही कि हादसे के दौरान एक छोटी बच्ची बाल-बाल बच गई, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया।घटना की सूचना मिलते ही पुलिस भी मौके पर पहुंच गई और स्थिति का जायजा लिया। पुलिस ने दोनों वाहनों को कब्जे में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर हादसे के कारणों की भी जांच की जा रही है।पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले में आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाएगी। साथ ही वाहन चालकों से यातायात नियमों का पालन करने और सावधानी से वाहन चलाने की अपील की गई है, ताकि इस तरह के हादसों को रोका जा सके।

जानकीपुरम का बीएलओ 19 दिनों से लापता

परिजनों ने रक्षा मंत्री से लगाई गुहार

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

जानकीपुरम क्षेत्र के रहने वाले बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) और शिक्षामित्र दिलीप कुमार सिंह रहस्यमय परिस्थितियों में पिछले 19 दिनों से लापता हैं। वह 23 फरवरी को सुबह घर से निकले थे, लेकिन उसके बाद से उनका कोई सुराग नहीं मिल सका है। उनका मोबाइल फोन भी उसी दिन से स्विच ऑफ है। परेशान परिजनों ने 13 मार्च को देश के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से मुलाकात कर मामले में हस्तक्षेप की मांग की है। परिवार के अनुसार दिलीप कुमार सिंह 23 फरवरी की सुबह घर से निकले थे, लेकिन उसके बाद वह वापस नहीं लौटे। कुछ समय बाद से ही उनका मोबाइल फोन बंद हो गया। घर से निकलते समय वह सीसीटीवी कैमरों में भी दिखाई दिए थे। इसके बाद से उनका कोई संपर्क परिवार या परिचितों से नहीं हो पाया है।परिजनों ने बताया कि दिलीप कुमार सिंह ने पहले एक व्हॉट्सएप ग्रुप में यह भी लिखा था कि बीकेटी के एसडीएम द्वारा उन्हें नौकरी से निकालने की धमकी दी जा रही है। हालांकि इस मामले में अभी तक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन परिवार इस बात को लेकर भी चिंतित है।घटना की जानकारी मिलने के बाद बीकेटी क्षेत्र के विधायक योगेश शुक्ला भी दिलीप कुमार सिंह के घर पहुंचे और पीड़ित परिवार से मुलाकात की। उन्होंने परिवार को ढांढस बंधाया और हरसंभव मदद का भरोसा दिया। विधायक ने बताया कि वह पिछले तीन दिनों से लगातार प्रशासन के संपर्क में हैं और मामले की जानकारी ले रहे हैं। उन्होंने अधिकारियों को खोजबीन तेज करने के निर्देश भी दिए हैं। विधायक की पहल पर ही परिवार की मुलाकात रक्षा मंत्री से कराई गई।दिलीप कुमार सिंह के लापता होने से परेशान परिजनों ने 13 मार्च को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से मुलाकात कर पूरी घटना की जानकारी दी। परिवार ने उनसे अनुरोध किया कि पुलिस प्रशासन को मामले की गंभीरता से जांच करने और खोजबीन तेज करने के निर्देश दिए जाएं, ताकि दिलीप कुमार सिंह को जल्द

से जल्द सकुशल ढूंढा जा सके। रक्षा मंत्री ने भी पुलिस अधिकारियों को मामले में तेजी से कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं।पुलिस की शुरुआती जांच में दिलीप कुमार सिंह की आखिरी लोकेशन अनौरा कला क्षेत्र के आसपास पाई गई है। इसके बाद उनका मोबाइल फोन स्विच ऑफ हो गया, जिससे आगे की लोकेशन ट्रेस नहीं हो सकी। पुलिस टीम आसपास के क्षेत्रों में जांच कर रही है और संभावित स्थानों पर खोजबीन की जा रही है। साथ ही स्थानीय लोगों से भी पूछताछ की जा रही है, ताकि कोई सुराग मिल सके।परिवार और परिचितों के अनुसार इन दिनों दिलीप कुमार सिंह एसआईआर (स्पेशल इनरोलमेंट रिव्यू) कार्य में लगे हुए थे और इस काम का उन पर काफी दबाव बताया जा रहा था। हालांकि पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए जांच कर रही है। अधिकारियों का कहना है कि किसी भी संभावना को नजरअंदाज नहीं किया जा रहा है और हर दिशा में जांच आगे बढ़ाई जा रही है।

तेज रफ्तार कार से 8 वर्षीय बच्चे की मौत गुस्साए लोगों ने महिला टीचरों को घेरा

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

मोहनलालगंज कोतवाली क्षेत्र के इमलियाखेड़ा खेड़ा गांव में तेज रफ्तार कार की चपेट में आने से 8 वर्षीय बच्चे की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि कार की रफ्तार इतनी तेज थी कि टक्कर लगने के बाद बच्चा करीब 30 मीटर तक सड़क पर घिसटता चला गया। इस दर्दनाक हादसे के बाद मौके पर मौजूद लोग आक्रोशित हो गए।स्थानीय लोगों ने किसी तरह कार को रुकवाया और घायल बच्चे को तुरंत अस्पताल पहुंचाया, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। इसके बाद गुस्साए ग्रामीणों ने कार में बैठी तीन महिला शिक्षिकाओं को घेर लिया और करीब 30 मिनट तक उन्हें वहीं रोके रखा। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और लोगों को समझाकर शांत कराया। पुलिस ने आश्वासन दिया कि आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी, जिसके बाद लोग शांत हुए।पुलिस तीनों महिला शिक्षिकाओं को अपने साथ थाने ले गई। मृतक बच्चे की पहचान अर्जुन पुत्र टिंकल के रूप में हुई है। वह शुक्रवार शाम करीब 4:30 बजे गांव में सड़क किनारे चल रहे भंडारे में प्रसाद लेने गया था। उसी दौरान यह हादसा हो गया।प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, अर्जुन सड़क किनारे खड़ा था, तभी तेज रफ्तार में आई

वैगनआर कार ने उसे कुचल दिया। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बच्चे की मौके पर ही मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही गांव के लोग बड़ी संख्या में मौके पर जमा हो गए और कार चला रही महिला को पकड़ लिया। कार में दो अन्य महिला शिक्षिकाएं भी सवार थीं।पुलिस के मुताबिक पूछताछ में पता चला कि तीनों शिक्षिकाएं रायबरेली के एक स्कूल में पढ़ाती हैं और लखनऊ से कार से स्कूल आती-जाती हैं। शुक्रवार शाम भी वे स्कूल से लौट रही थीं, तभी यह हादसा हो गया। कार चला रही महिला की पहचान रेनू संजीव कुमार के रूप में हुई है, जो लखनऊ के तेलीबाग स्थित गांधीनगर की रहने वाली हैं। पुलिस ने कार को कब्जे में ले लिया है और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेसवे अप्रैल से शुरू, अब 40 मिनट में तय होगा सफर

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

राजधानी लखनऊ को जल्द ही बेहतर कनेक्टिविटी और नई विकास परियोजनाओं की बड़ी सौगात मिलने जा रही है। शुक्रवार को ग्रीन कॉरिडोर के दूसरे चरण के लोकार्पण के दौरान रक्षा मंत्री और लखनऊ के सांसद राजनाथ सिंह ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि अप्रैल की शुरुआत तक लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेसवे का संचालन शुरू हो जाएगा, जिसके बाद लखनऊ से कानपुर तक का सफर महज 35 से 40 मिनट में पूरा किया जा सकेगा।

रक्षा मंत्री ने कहा कि इस एक्सप्रेसवे के शुरू होने से दोनों शहरों के बीच आवागमन तेज और आसान होगा। इसके साथ ही किसान पथ के सर्विस रोड प्रोजेक्ट का काम भी जल्द पूरा होने जा रहा है, जिससे राजधानी की यातायात व्यवस्था और बेहतर होगी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बताया कि बाराबंकी से बहराइच तक अपग्रेडेशन रोड परियोजना भी जल्द शुरू होगी। यह करीब 100 किलोमीटर लंबी चार लेन सड़क होगी, जिससे लखनऊ से बहराइच की दूरी लगभग सवा घंटे में तय की जा सकेगी। इसके अलावा लखनऊ से सुल्तानपुर और वाराणसी तक हाई स्पीड कॉरिडोर विकसित किया जा रहा है। वहीं हरदोई और सीतापुर को भी बेहतर सड़क नेटवर्क के जरिए जोड़ा जा रहा है।

लखनऊ पहुंचने लगे एलएसजी खिलाड़ी

16 मार्च से इकाना में लगेगा कैंप

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के आगामी सत्र की तैयारियों के तहत लखनऊ सुपर जायंट्स (LSG) के खिलाड़ियों और कोचिंग स्टाफ का लखनऊ पहुंचना शुरू हो गया है। टीम का अभ्यास शिविर 16 मार्च से अटल बिहारी वाजपेयी इकाना क्रिकेट स्टेडियम में शुरू होगा, जहां खिलाड़ी नियमित प्रैक्टिस सत्र में हिस्सा लेंगे।शनिवार को टीम के ग्लोबल डायरेक्टर और पूर्व ऑस्ट्रेलियाई हरफनमौला खिलाड़ी टॉम मूडी, हेड कोच जस्टिन लैंगर सहित टीम का कोचिंग स्टाफ लखनऊ पहुंच गया। टीम प्रबंधन ने अभ्यास शिविर के लिए आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली हैं, ताकि खिलाड़ियों को बेहतर अभ्यास सुविधाएं मिल सकें।जानकारी के अनुसार, 15 मार्च को टीम के कप्तान ऋषभ पंत समेत अधिकतर भारतीय खिलाड़ी लखनऊ पहुंच जाएंगे। उनके पहुंचने के बाद 16 मार्च से टीम का अभ्यास कैंप औपचारिक रूप से शुरू हो जाएगा। इस कैंप में खिलाड़ी फिटनेस सत्र, नेट प्रैक्टिस और रणनीतिक बैठकों में हिस्सा लेंगे।टीम के विदेशी खिलाड़ियों के भी जल्द ही लखनऊ पहुंचने की संभावना है। टीम के अहम खिलाड़ियों में शामिल ऑस्ट्रेलिया के कप्तान मिचेल मार्श, दक्षिण अफ्रीका के कप्तान एडन मार्करम और वेस्टइंडीज के धाकड़ बल्लेबाज निकोलस पूरन के 18 से 20 मार्च के बीच लखनऊ आने की संभावना जताई जा रही है। इनके आने के बाद टीम का अभ्यास सत्र और भी तेज हो जाएगा।लखनऊ सुपर

जायंट्स अपने आईपीएल अभियान की शुरुआत एक अप्रैल को अपने होम ग्राउंड इकाना स्टेडियम में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ करेगी। इसके बाद टीम को कुल चार मुकाबले खेलने हैं, जिनमें दो मैच घरेलू मैदान पर और दो मुकाबले बाहर खेले जाएंगे।टीम का दूसरा मुकाबला पांच अप्रैल को हैदराबाद में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ होगा। तीसरा मैच कोलकाता में कोलकाता नाइटराइडर्स के खिलाफ खेला जाएगा, जबकि चौथा मुकाबला गुजरात टाइटंस के खिलाफ लखनऊ के इकाना स्टेडियम में आयोजित होगा।आईपीएल की सबसे महंगी टीमों में शामिल लखनऊ सुपर जायंट्स का अब तक का प्रदर्शन मिश्रित रहा है। टीम ने अपने पहले दो सत्रों 2022 और 2023 में प्लेऑफ में जगह बनाई थी, लेकिन इसके बाद प्रदर्शन में गिरावट देखने को मिली। वर्ष 2024 और 2025 के आईपीएल सत्र में टीम सातवें स्थान पर रही और प्लेऑफ में जगह नहीं बना सकी।पिछले सत्र 2025 से पहले टीम प्रबंधन ने आईपीएल इतिहास की सबसे बड़ी बोली लगाते हुए 27 करोड़ रुपये में विकेटकीपर बल्लेबाज को टीम में शामिल किया था, लेकिन इसके बावजूद टीम प्लेऑफ तक नहीं पहुंच सकी। नए सत्र के लिए टीम ने ऑस्ट्रेलिया के विकेटकीपर बल्लेबाज जोश इंग्लिश सहित अन्य खिलाड़ियों को भी शामिल कर अपनी टीम को मजबूत बनाने की कोशिश की है।

स्मार्ट मीटर के बाद बढ़े बिजली बिलों से परेशान
उपभोक्ताओं का डीएम कार्यालय पर प्रदर्शन

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

जिले में स्मार्ट बिजली मीटर लगाए जाने के बाद अचानक बढ़े बिजली बिलों से परेशान उपभोक्ताओं ने शनिवार को जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचकर प्रदर्शन किया। ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों से आए दर्जनों लोगों ने बिजली विभाग के खिलाफ नारेबाजी करते हुए अपनी शिकायत दर्ज कराई और बिलों की जांच कर संशोधन की मांग की।प्रदर्शन कर रहे उपभोक्ताओं का आरोप है कि स्मार्ट मीटर लगने के बाद उनके बिजली बिल कई गुना तक बढ़ गए हैं, जिससे आम परिवारों का मासिक बजट पूरी तरह बिगड़ गया है। लोगों का कहना है कि बिजली की खपत पहले जैसी ही है, लेकिन बिल पहले की तुलना में कई गुना अधिक आ रहा है। इससे गरीब और मध्यम वर्गीय परिवारों पर आर्थिक बोझ बढ़ गया है। डीएम कार्यालय पहुंचे एक उपभोक्ता ने बताया कि वह नियमित रूप से अपना बिजली बिल जमा करते रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ समय पहले एक कर्मचारी उनके घर पहुंचा और मीटर बदलने के नाम पर उनसे 20 हजार रुपये की मांग की। जब उन्होंने पैसे देने से इनकार कर दिया, तो बाद में लगाए गए स्मार्ट मीटर में कथित तौर पर गड़बड़ी कर दी गई। इसके बाद उनके घर का बिजली बिल अचानक बढ़कर हर महीने चार से छह हजार रुपये तक आने लगा। उन्होंने बताया कि पिछले छह-सात महीनों से लगातार अधिक बिल आ रहा है, जबकि घर में बिजली के उपयोग में कोई खास बदलाव नहीं हुआ है। इसी तरह उम्मीदनगर निवासी एक अन्य व्यक्ति ने भी अपनी समस्या अधिकारियों के सामने रखी। उन्होंने बताया कि वह बैटरी रिक्शा चलाकर अपने परिवार का भरण-पोषण करते हैं और उनकी आर्थिक स्थिति पहले से ही कमजोर है। पहले उनके घर का मासिक बिजली बिल करीब 200 से 250 रुपये तक आता था, लेकिन स्मार्ट मीटर लगने के बाद यह बिल बढ़कर 2600 से 3500 रुपये तक पहुंच गया है। उन्होंने कहा कि इतनी अधिक राशि का बिल भर पाना उनके लिए संभव नहीं है।उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि अधिक बिल आने की शिकायत लेकर जब वह विभागीय अधिकारियों के पास गए, तो उनकी बात ठीक से नहीं सुनी गई। उल्टा उन पर पूरा बकाया बिल जमा करने का दबाव बनाया गया। आर्थिक तंगी के कारण जब वह बिल जमा नहीं कर पाए, तो विभाग ने उनका बिजली कनेक्शन भी काट दिया। प्रदर्शन कर रहे उपभोक्ताओं ने बताया कि उन्होंने इस समस्या को लेकर कई बार बिजली विभाग के अधिकारियों को लिखित शिकायतें भी दी हैं, लेकिन अब तक उनकी कोई सुनवाई नहीं हुई है। उनका कहना है कि स्मार्ट मीटर लगने के बाद से लगातार अधिक बिल आ रहे हैं, जिससे लोगों में नाराजगी बढ़ती जा रही है।उपभोक्ताओं ने बिजली विभाग पर लापरवाही और उदासीनता का आरोप लगाते हुए मांग की कि स्मार्ट मीटर के बाद आए बढ़े हुए बिलों की निष्पक्ष जांच कराई जाए और गलत बिलों को तुरंत संशोधित किया जाए। उनका कहना था कि अगर समस्या का जल्द समाधान नहीं हुआ तो उपभोक्ता आगे भी आंदोलन करने को मजबूर होंगे।

उन्नाव में उपनिरीक्षक भर्ती परीक्षा शुरू, आठ केंद्रों पर 9600 अभ्यर्थी देंगे परीक्षा

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

जिले में उत्तर प्रदेश पुलिस उपनिरीक्षक भर्ती परीक्षा शनिवार से शुरू हो गई। यह परीक्षा शहर के आठ परीक्षा केंद्रों पर दो दिनों तक दो पालियों में आयोजित की जा रही है, जिसमें कुल 9600 अभ्यर्थी शामिल होंगे। परीक्षा को सकुशल, निष्पक्ष और पारदर्शी ढंग से संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन और पुलिस विभाग पूरी तरह अलर्ट मोड में है।प्रशासन की ओर से परीक्षा को लेकर सभी तैयारियां पहले ही पूरी कर ली गई थीं। सुरक्षा व्यवस्था से लेकर अभ्यर्थियों की प्रवेश प्रक्रिया तक हर स्तर पर विशेष निगरानी रखी जा रही है। पहली पाली की परीक्षा सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक और दूसरी पाली की परीक्षा दोपहर 3 बजे से शाम 5 बजे तक आयोजित की जा रही है।परीक्षा केंद्रों पर अभ्यर्थियों की सघन जांच की व्यवस्था की गई है, ताकि किसी भी प्रकार की अनुचित गतिविधि को रोका जा सके। इसके अलावा केंद्रों के आसपास अनावश्यक भीड़ न जुटने देने और यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के लिए भी प्रशासन द्वारा आवश्यक निर्देश जारी किए गए हैं।पुलिस अधीक्षक जय प्रकाश सिंह ने बताया कि परीक्षा को सुरक्षित और व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए व्यापक पुलिस बल की तैनाती की गई है। सभी परीक्षा केंद्रों पर पर्याप्त संख्या में पुलिसकर्मी मौजूद रहेंगे और संदिग्ध गतिविधियों पर कड़ी नजर रखी जाएगी।उन्होंने बताया कि परीक्षा ड्यूटी में पांच क्षेत्राधिकारी (सीओ), आठ थाना प्रभारी, 17 निरीक्षक, 52 महिला निरीक्षक, 133 हेड कांस्टेबल, 80 महिला आरक्षी और 28 होमगार्ड तैनात किए गए हैं। इसके अलावा परीक्षा केंद्रों के आसपास लगातार पुलिस गश्त भी बढ़ाई गई है, ताकि कानून व्यवस्था पूरी तरह कायम रहे।

उन्नाव में बीज विक्रेताओं को दिया गया प्रशिक्षण
नकली बीज बेचने पर होगी कड़ी कार्रवाई

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

जिले में किसानों को गुणवत्तापूर्ण और प्रमाणित बीज उपलब्ध कराने तथा नकली बीजों की बिक्री पर रोक लगाने के उद्देश्य से कृषि विभाग ने बीज विक्रेताओं के लिए विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। इस दौरान विक्रेताओं को सरकार द्वारा शुरू किए गए 'साथी ऐप' के उपयोग, बीज पंजीकरण और निगरानी व्यवस्था के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई।प्रशिक्षण कार्यक्रम में कृषि विभाग के अधिकारियों ने बताया कि भारत एक कृषि प्रधान देश है, जहां बड़ी आबादी अपनी आजीविका के लिए खेती पर निर्भर है। ऐसे में किसानों को समय पर सही और गुणवत्तापूर्ण बीज उपलब्ध कराना बेहद जरूरी है, ताकि उनकी फसल का उत्पादन बेहतर हो सके और उन्हें अधिक लाभ मिल सके। इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए सरकार ने 'साथी ऐप' की व्यवस्था लागू की है, जिसके माध्यम से प्रमाणित बीजों की उपलब्धता सुनिश्चित की जा सकेगी। अधिकारियों ने प्रशिक्षण के दौरान बीज विक्रेताओं को ऐप के उपयोग की पूरी प्रक्रिया समझाई। उन्हें बताया गया कि किस प्रकार बीजों का पंजीकरण करना है, बिक्री से संबंधित जानकारी कैसे दर्ज करनी है और पूरे रिकॉर्ड को डिजिटल माध्यम से सुरक्षित कैसे रखना है। इस प्रणाली के लागू होने से बीजों की गुणवत्ता पर प्रभावी निगरानी रखी जा सकेगी और यह सुनिश्चित किया जा सकेगा कि किसानों तक केवल प्रमाणित और मानक के अनुरूप बीज ही पहुंचें।कृषि विभाग के अधिकारियों ने बीज विक्रेताओं को सख्त चेतावनी भी दी। उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि कोई भी डीलर नकली या अवैध बीज बेचते हुए पाया जाता है, तो उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। ऐसे मामलों में संबंधित डीलर का लाइसेंस रद्द किया जा सकता है और उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई भी की जाएगी। अधिकारियों ने बताया कि विभाग का मुख्य उद्देश्य किसानों के हितों की रक्षा करना है। यदि किसानों को सही और गुणवत्तापूर्ण बीज मिलते हैं तो उनकी फसल की पैदावार बढ़ेगी, जिससे उनकी आय में भी वृद्धि होगी। इसी लक्ष्य के साथ कृषि विभाग लगातार निगरानी और जागरूकता अभियान चला रहा है।जिला कृषि अधिकारी शशांक चौधरी ने बताया कि उन्नाव में जिम्मेदारी संभालने के बाद से नकली बीज और उर्वरक बेचने वालों के खिलाफ लगातार कार्रवाई की जा रही है। कई मामलों में जांच के बाद एफआईआर भी दर्ज कराई गई है, ताकि ऐसे लोगों पर प्रभावी रोक लगाई जा सके।कृषि विभाग का कहना है कि किसानों के हितों को ध्यान में रखते हुए बीज और उर्वरक विक्रेताओं को समय-समय पर प्रशिक्षण दिया जाता है। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि सभी विक्रेता निर्धारित नियमों का पालन करें और किसानों को सही तथा गुणवत्तापूर्ण उत्पाद उपलब्ध कराएं।

गैस की कमी की अफवाह से एजेंसियों पर बढ़ी भीड़
अधिकारियों ने कहा—पर्याप्त है सिलेंडर की आपूर्ति

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

शहर में घरेलू गैस सिलेंडर की कमी को लेकर फैली अफवाहों के कारण गैस एजेंसियों पर अचानक भीड़ बढ़ गई। हालांकि एजेंसी संचालकों और उपभोक्ताओं का कहना है कि गैस की वास्तविक कमी नहीं है, बल्कि लोगों के बीच फैले डर और घबराहट के कारण लंबी कतारें लग रही हैं। शुक्लागंज स्थित भारत गैस एजेंसी पर उपभोक्ताओं की भारी भीड़ देखने को मिली। सुबह से ही बड़ी संख्या में लोग सिलेंडर लेने के लिए एजेंसी के बाहर लाइन में खड़े दिखाई दिए। कई उपभोक्ता सुबह-सुबह ही एजेंसी पहुंच गए, जिससे दिन चढ़ने तक वहां लंबी कतार लग गई।गैस लेने पहुंचे उपभोक्ता दिवाकर तिवारी ने बताया कि वह सुबह करीब सात बजे से लाइन में लगे थे। उन्होंने बताया कि भीड़ अधिक होने के बावजूद एजेंसी पर किसी प्रकार की अव्यवस्था नहीं थी और कर्मचारियों द्वारा उपभोक्ताओं को व्यवस्थित तरीके से गैस उपलब्ध कराई जा रही थी। उन्होंने कहा कि गैस आसानी से मिल रही है और कर्मचारियों का व्यवहार भी सहयोगात्मक है। वास्तविक समस्या गैस की कमी नहीं बल्कि लोगों के मन में बना डर है। अफवाहों के कारण कई लोग आशंका के चलते जरूरत से ज्यादा सिलेंडर लेने की कोशिश कर रहे हैं, जिससे एजेंसियों पर भीड़ बढ़ रही है। उन्होंने लोगों से अपील की कि किसी भी संकट की स्थिति में सभी को धैर्य बनाए रखना चाहिए और अनावश्यक घबराहट से बचना चाहिए, ताकि सभी उपभोक्ताओं को समय पर गैस मिल सके।वहीं, गैस एजेंसी से जुड़े प्रमोद त्रिवेदी ने भी गैस की कमी की खबरों को पूरी तरह से अफवाह बताया। उन्होंने कहा कि कंपनियों की ओर से पर्याप्त मात्रा में गैस सिलेंडर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। मांग को देखते हुए अतिरिक्त आपूर्ति भी की जा रही है, ताकि किसी भी उपभोक्ता को परेशानी का सामना न करना पड़े। उपभोक्ताओं को बराबर और व्यवस्थित तरीके से सिलेंडर वितरित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि वितरण प्रक्रिया के दौरान ओटीपी सत्यापन सहित कुछ औपचारिकताएं पूरी करनी होती हैं, जिसमें प्रति उपभोक्ता कुछ मिनट का समय लग जाता है। इसी कारण लाइन लंबी दिखाई देती है।उन्होंने दोहराया कि अफवाहों के चलते लोग जल्दबाजी में सिलेंडर लेने पहुंच रहे हैं और कुछ उपभोक्ता अतिरिक्त सिलेंडर भरवाने की कोशिश भी कर रहे हैं, जिससे भीड़ का दबाव बढ़ रहा है। एजेंसी संचालकों ने लोगों से अपील की है कि वे अफवाहों पर ध्यान न दें और केवल जरूरत के अनुसार ही गैस सिलेंडर लें, ताकि सभी उपभोक्ताओं को समय पर सुविधा मिल सके।

मनोकांत शुक्ला हत्याकांड: पांच दिन बाद भी गांव में तनाव

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

बसधना गांव में हुए मनोकांत शुक्ला हत्याकांड के पांच दिन बाद भी गांव में तनाव का माहौल बना हुआ है। मृतक के परिजनों और ग्रामीणों में पुलिस प्रशासन की कार्यशैली को लेकर गहरा आक्रोश देखा जा रहा है। लगातार हो रहे विरोध प्रदर्शनों के बाद शनिवार को पुलिस अधीक्षक जयप्रकाश सिंह ने चौकी इंचार्ज कमल दुबे को लाइन हाजिर कर दिया।बताया गया कि घटना के बाद परिजनों के दबाव के चलते चौकी इंचार्ज कमल दुबे को पहले गंगाबैराज चौकी भेजा गया था, लेकिन दो दिन बाद ही उनकी उसी चौकी पर वापसी कर दी गई। इससे ग्रामीणों में नाराजगी और बढ़ गई। परिजनों का आरोप है कि पुलिस की लापरवाही और कथित मिलीभगत के कारण घटना को समय रहते नहीं रोका जा सका। साथ ही आरोपियों को बचाने की कोशिश की जा रही है।जानकारी के अनुसार, बीते रविवार शाम बसधना गांव निवासी विपिन के घर एक पार्टी आयोजित की गई थी। इस दौरान नशे की हालत में हवाई फायरिंग की गई। ग्रामीणों के मुताबिक, करीब 50 लोगों की मौजूदगी में आरोपी विपिन ने छह राउंड फायरिंग की, जिससे गांव में दहशत का माहौल बन गया। इसी दौरान मनोकांत शुक्ला (50), रामजी और महेंद्र का विपिन से विवाद हो गया।आरोप है कि विवाद बढ़ने पर विपिन, छोटू सनकी और उनके अन्य साथियों ने तीनों के साथ मारपीट शुरू कर दी। इसके बाद उन्हें जबरन दोस्ती नगर स्थित एक घर में ले जाया गया, जहां उनके साथ बेरहमी से मारपीट की गई। रामजी और महेंद्र किसी तरह वहां से भाग निकलने में सफल रहे, लेकिन मनोकांत शुक्ला को आरोपियों ने पीट-पीटकर मार डाला।बताया जा रहा है कि घटना के बाद आरोपियों ने मनोकांत शुक्ला के शव को माखी थाना क्षेत्र के सिंधूपुर के पास फेंक दिया था।

बुलडोजर की आहट से उजड़े आशियाने, पिंकी की 24 मार्च वाली शादी भी टूट गई

गंगाघाट रेलवे स्टेशन पर अमृत स्टेशन योजना के तहत अतिक्रमण हटाने का अभियान तेज हो गया है। रेलवे प्रशासन स्टेशन परिसर और आसपास के क्षेत्रों को अतिक्रमण मुक्त कराने की कार्रवाई कर रहा है। सीनियर सेक्शन इंजीनियर (कार्य/लाइन) के निर्देश पर अवैध रूप से बने पक्के और कच्चे मकानों पर पहले नोटिस चस्पा किए गए थे।इन नोटिसों में 16 जनवरी तक अतिक्रमण स्वयं हटाने की चेतावनी दी गई थी, अन्यथा रेलवे प्रशासन द्वारा बलपूर्वक कार्रवाई किए जाने की बात कही गई थी। समय सीमा समाप्त होने के बाद रेलवे प्रशासन ने दो बार बुलडोजर चलाकर अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई भी की थी। हालांकि सर्दी और होली जैसे त्योहारों को देखते हुए कुछ मकानों को अस्थायी रूप से छोड़ दिया गया था।रेलवे अधिकारियों ने लोगों को अंतिम अवसर देते हुए स्वयं अतिक्रमण हटाने के निर्देश दिए थे और स्पष्ट किया था कि होली के बाद दोबारा अभियान चलाया जाएगा। अब संभावित कार्रवाई के डर से गंगाघाट क्षेत्र के राजीव नगर खंती निवासी अपने कच्चे और पक्के मकान खुद ही तोड़ने लगे हैं।इस कार्रवाई से कई परिवारों को अचानक विस्थापन की स्थिति का सामना करना पड़ रहा है। राजीव नगर खंती की निवासी पिंकी राजपूत ने बताया कि 24 मार्च को उनकी शादी तय थी, लेकिन मकान टूटने और रहने की व्यवस्था न होने के कारण शादी टूट गई। स्थानीय लोगों के अनुसार पुनर्विकास के दायरे में करीब सौ कच्चे मकान आ रहे हैं।

राहुल गांधी के लखनऊ दौरे के बीच मायावती का बड़ा वार

कांग्रेस पर लगाए गंभीर आरोप

बसपा प्रमुख मायावती ने कांशीराम जयंती के मौके पर कांग्रेस पर दलित विरोधी होने का आरोप लगाया और कार्यकर्ताओं को उससे सतर्क रहने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने न डॉ. भीमराव अंबेडकर को उचित सम्मान दिया और न ही कांशीराम के निधन पर राष्ट्रीय शोक घोषित किया।

टीवी भारतवर्ष उत्तर प्रदेश

बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने बसपा संस्थापक कांशीराम के अनुयायियों और समर्थकों को कांग्रेस पार्टी के प्रति सतर्क रहने की सलाह दी है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की दलित-विरोधी मानसिकता के कारण ही बसपा का गठन हुआ था और यही वजह है कि बसपा कार्यकर्ताओं को इस पार्टी की राजनीति को समझकर सावधान रहना चाहिए।दरअसल, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी शुक्रवार को लखनऊ में बसपा संस्थापक कांशीराम की जयंती के अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम में शामिल हुए थे। इसी संदर्भ में मायावती ने सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए कांग्रेस पर कई गंभीर आरोप लगाए और दलित समाज के प्रति उसकी नीतियों पर सवाल उठाए।मायावती ने अपने बयान में कहा कि यह सर्वविदित है कि कांग्रेस पार्टी ने केंद्र में अपने लंबे शासनकाल के दौरान दलितों के मसीहा और भारतीय संविधान के मुख्य शिल्पकार डॉ. भीमराव अंबेडकर को वह सम्मान नहीं दिया, जिसके वे वास्तव में हकदार थे। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने अपने शासनकाल में अंबेडकर को भारत का सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'भारत रत्न' भी नहीं दिया। ऐसे में यह सवाल उठता है कि वही कांग्रेस पार्टी अब बसपा संस्थापक कांशीराम को इस सम्मान से कैसे सम्मानित कर सकती है।बसपा प्रमुख ने यह भी कहा कि जब कांशीराम का निधन हुआ था, उस समय केंद्र में कांग्रेस की सरकार थी, लेकिन उनके सम्मान में एक दिन का भी राष्ट्रीय शोक घोषित नहीं किया गया। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि उस समय उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी की सरकार होने के बावजूद राज्य स्तर पर भी राजकीय शोक की घोषणा नहीं की गई थी। मायावती ने इसे कांशीराम के प्रति अनादर बताते हुए कांग्रेस और सपा दोनों पर निशाना साधा। मायावती ने अपने बयान में यह भी कहा कि दलित समुदाय द्वारा गठित कई संगठन और राजनीतिक दल अब अन्य पार्टियों के प्रभाव में चले गए हैं और वे कांशीराम के नाम का इस्तेमाल केवल अपने राजनीतिक हितों के लिए कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि इस तरह की राजनीति का मकसद बसपा को कमजोर करना और दलित समाज के मूल मुद्दों को भटकाना है।उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में कई राजनीतिक दल तरह-तरह की रणनीतियां अपनाकर कांशीराम द्वारा स्थापित बसपा को कमजोर करने की कोशिश कर रहे हैं। ऐसे में बसपा के कार्यकर्ताओं और समर्थकों को इन राजनीतिक चालों को समझना चाहिए और किसी भी तरह के भ्रम में नहीं पड़ना चाहिए। मायावती ने विशेष रूप से कांग्रेस पार्टी के प्रति सतर्क रहने की अपील करते हुए कहा कि बसपा का जन्म ही कांग्रेस की दलित-विरोधी नीतियों के विरोध से हुआ था। इसलिए बसपा के अनुयायियों और समर्थकों को इस ऐतिहासिक तथ्य को हमेशा याद रखना चाहिए और अपने आंदोलन तथा संगठन को मजबूत करने पर ध्यान देना चाहिए। अंत में मायावती ने बसपा कार्यकर्ताओं और समर्थकों से अपील की कि वे कांशीराम की जयंती के अवसर पर पार्टी द्वारा आयोजित कार्यक्रमों में अधिक से अधिक संख्या में भाग लें। उन्होंने कहा कि कांशीराम के विचारों और संघर्षों को आगे बढ़ाना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

आवारा कुत्तों के हमले में तीन बच्चे घायल, चार साल के लड्डू की हालत नाजुक

टीवी भारतवर्ष बलिया

बलिया जिले के बैरिया क्षेत्र में आवारा कुत्तों के हमले में तीन बच्चे गंभीर रूप से घायल हो गए। इनमें चार साल के लड्डू की हालत नाजुक बताई जा रही है। कुत्तों के हमले में उसके सिर पर गहरा घाव हो गया, जिसके इलाज के लिए डॉक्टरों को 32 टांके लगाने पड़े। बच्चे की गंभीर स्थिति को देखते हुए उसे बेहतर इलाज के लिए वाराणसी रेफर कर दिया गया है।जानकारी के अनुसार, रानीगंज बाजार कोटवा निवासी रोहित शाह सेंट्रल बैंक के पास रेहड़ी पर ठेला लगाकर फल बेचते हैं। उनका चार वर्षीय बेटा लड्डू ठेले के पास ही खेल रहा था। खेलते-खेलते वह पास की एक गली में पहुंच गया, जहां पहले से कई आवारा कुत्ते मौजूद थे।गली में पहुंचते ही कुत्तों ने अचानक बच्चे पर हमला कर दिया। कुत्तों ने लड्डू को कई जगह काट लिया और उसे बुरी तरह घायल कर दिया। हमले के दौरान बच्चे की चीख-पुकार सुनकर आसपास के लोग और उसके पिता रोहित शाह मौके पर पहुंचे। स्थानीय लोगों ने मिलकर किसी तरह कुत्तों को भगाया और बच्चे को उनके चंगुल से छुड़ाया।घटना के बाद गंभीर रूप से घायल लड्डू को तुरंत उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सोनबरसा ले जाया गया। वहां डॉक्टरों ने बच्चे का प्राथमिक उपचार किया। सिर पर गहरे जख्म होने के कारण डॉक्टरों को 32 टांके लगाने पड़े। हालत गंभीर देखते हुए चिकित्सकों ने उसे बेहतर इलाज के लिए वाराणसी ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया।इस घटना में दो अन्य बच्चे भी कुत्तों के हमले में घायल हुए हैं, हालांकि उनकी हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है। घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल है और स्थानीय लोगों ने प्रशासन से आवारा कुत्तों की समस्या पर जल्द कार्रवाई करने की मांग की है।

पानी बिल नहीं चुकाया तो मुश्किल

ग्रेटर नोएडा में 31 मार्च के बाद सख्ती तय

टीवी भारतवर्ष ग्रेटर नोएडा

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के जल उपभोक्ताओं के पास पानी के बकाया बिल को वर्तमान दर पर जमा करने का अंतिम अवसर 31 मार्च तक है। यदि आवंटी इस तारीख तक बकाया राशि जमा नहीं करते हैं तो एक अप्रैल से उस पर आगामी वित्तीय वर्ष 2026–27 का ब्याज भी जुड़ जाएगा। ऐसे में उपभोक्ताओं को अधिक धनराशि का भुगतान करना पड़ेगा।जानकारी के अनुसार, ग्रेटर नोएडा क्षेत्र में 51 हजार से अधिक पानी के कनेक्शन हैं। इनमें से 29 हजार से ज्यादा कनेक्शनों पर करीब 270 करोड़ रुपये का बकाया चल रहा है। प्राधिकरण के आंकड़ों के मुताबिक सबसे अधिक बकाया बिल्डर सोसाइटियों पर है। लगभग 92 बिल्डर सोसाइटियों पर करीब 150 करोड़ रुपये का पानी का बिल लंबित है।इसके अलावा 28 हजार से अधिक आवासीय संपत्तियों पर भी पानी का बकाया बिल है। वहीं आईटी सेक्टर की छह इकाइयों, 321 संस्थागत संपत्तियों, 763 औद्योगिक इकाइयों, 20 आवासीय समितियों और 21 कॉमर्शियल प्रॉपर्टियों पर भी पानी के बिल की राशि बकाया बताई जा रही है।ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की ओर से बकाया बिल जमा करने के लिए कई बार नोटिस जारी किए जा चुके हैं, लेकिन इसके बावजूद बड़ी संख्या में उपभोक्ताओं ने अभी तक भुगतान नहीं किया है। प्राधिकरण का कहना है कि निवासियों को किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसे ध्यान में रखते हुए अब तक पानी के कनेक्शन नहीं काटे गए हैं।हालांकि अब प्राधिकरण इस मामले में सख्ती करने की तैयारी कर रहा है। जल विभाग के अधिकारियों के मुताबिक जो उपभोक्ता 31 मार्च तक अपना बकाया बिल जमा नहीं करेंगे, उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। ऐसे उपभोक्ताओं के पानी के कनेक्शन काटे जा सकते हैं।प्राधिकरण ने सभी आवंटियों और उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे निर्धारित समय सीमा के भीतर अपना बकाया बिल जमा कर दें, ताकि अतिरिक्त ब्याज और संभावित कार्रवाई से बचा जा सके।

सोलर प्रोजेक्ट रिश्वत मामले में बड़ी राहत

IAS अभिषेक प्रकाश फिर से सेवा में बहाल होंगे

टीवी भारतवर्ष

निलंबित चल रहे आईएएस अधिकारी अभिषेक प्रकाश को बड़ी राहत मिली है। राज्यपाल ने उनकी बहाली का आदेश जारी कर दिया है। आदेश के अनुसार, अभिषेक प्रकाश 15 मार्च से दोबारा सेवा में बहाल हो जाएंगे। हालांकि, उनके खिलाफ चल रही विभागीय जांच जारी रहेगी और जांच प्रक्रिया के तहत साक्ष्य जुटाने का काम आगे भी चलता रहेगा। दरअसल, आईएएस अभिषेक प्रकाश पर एक सोलर कंपनी से प्रोजेक्ट की मंजूरी दिलाने के बदले घूस मांगने के आरोप लगे थे। इस मामले में शिकायत सामने आने के बाद राज्य सरकार ने उनके खिलाफ कार्रवाई की थी। आरोप लगने के बाद 20 मार्च 2025 को उन्हें निलंबित कर दिया गया था और पूरे मामले की जांच शुरू कर दी गई थी।बताया गया था कि संबंधित सोलर कंपनी की ओर से इस मामले की शिकायत मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से की गई थी। शिकायत मिलने के बाद मुख्यमंत्री के निर्देश पर तत्काल प्रभाव से अभिषेक प्रकाश को निलंबित कर दिया गया और मामले की जांच के आदेश दिए गए थे। इसके बाद से ही उनके खिलाफ विभागीय स्तर पर जांच प्रक्रिया चल रही थी।इस बीच दो दिन पहले इलाहाबाद हाई कोर्ट की लखनऊ बेंच ने इस मामले में महत्वपूर्ण फैसला सुनाया। कोर्ट ने साक्ष्यों के अभाव का हवाला देते हुए अभिषेक प्रकाश के खिलाफ दायर चार्जशीट को रद्द कर दिया। हाई कोर्ट के इस फैसले के बाद विभागीय स्तर पर उनकी बहाली की प्रक्रिया तेज कर दी गई थी, जिसके बाद अब राज्यपाल की ओर से औपचारिक रूप से बहाली का आदेश जारी कर दिया गया है।सुनवाई के दौरान कोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि मामले में ऐसा कोई ठोस साक्ष्य सामने नहीं आया है, जिससे यह साबित हो सके कि किसी प्रकार की धनराशि का लेन-देन हुआ हो। अदालत ने यह भी कहा कि न तो किसी प्रकार की संपत्ति या मूल्यवान वस्तु दिए जाने का प्रमाण मिला है और न ही किसी को धमकी दिए जाने का कोई सबूत प्रस्तुत किया गया है। इसके अलावा जांच के दौरान कथित तौर पर बताए गए एक करोड़ रुपये नकद की भी कोई बरामदगी नहीं हुई। कोर्ट ने यह भी कहा कि ऐसा कोई प्रमाण नहीं मिला, जिससे यह साबित हो सके कि किसी लोक सेवक को अनुचित लाभ देने की पेशकश की गई थी।हाई कोर्ट के इस फैसले के बाद प्रशासनिक स्तर पर अभिषेक प्रकाश की बहाली का रास्ता साफ हो गया। हालांकि, सरकार की ओर से स्पष्ट किया गया है कि उनकी सेवा में वापसी के बावजूद उनके खिलाफ चल रही विभागीय जांच जारी रहेगी और जांच के तहत साक्ष्य जुटाने की प्रक्रिया आगे भी चलती रहेगी।